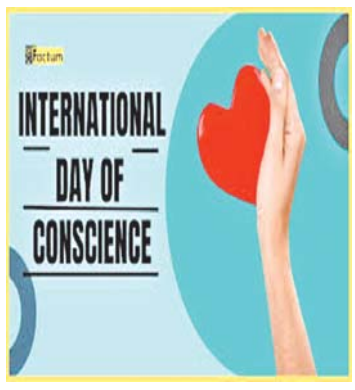

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 230/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, बुधवार 05 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

10 ग्राम सोना पहली बार 61 हजार पर:
चांदी भी 74 हजार के पार निकली

केंद्र ने 11 महीनों में 40,000 जलाशय विकसित किए, पीएम मोदी बोले-

बधाई हो... देश में तेजी से हो रहे काम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 महीनों में मिशन अमृत सरोवर के तहत लगभग 40,000 जलाशय विकसित किए जाने की उपलब्धि की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि जिस गति से इस दिशा में काम किया जा रहा है, वह %अमृत काल% के हमारे संकल्पों में नई ऊर्जा का संचार करता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले 11 महीनों में मिशन अमृत सरोवर के तहत लगभग 40,000 जल निकायों का विकास किया गया है, जो योजना के तहत लक्ष्य का लगभग 80 प्रतिशत है। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक ट्वीट में कहा कि मिशन अमृत सरोवर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''40 हजार से अधिक अमृत सरोवर राष्ट्र को समर्पित किए जा चुके हैं। 15 अगस्त, 2023 तक 50 हजार अमृत सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य है।

शेखावत के ट्वीट का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा, ''बहुत-बहुत बधाई! जिस तेजी से देशभर में अमृत सरोवरों का निर्माण हो रहा है, वह अमृतकाल के हमारे संकल्पों में नई ऊर्जा भरने वाला है।%% भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष से 100 वर्ष तक की 25 साल की अवधि को प्रधानमंत्री ने अमृत काल का नाम दिया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछले साल 24 अप्रैल को शुरू किए गए मिशन का उद्देश्य 'आजादी का अमृत महोत्सव% के हिस्से के रूप में देश के प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों का विकास और कायाकल्प करना है। इस योजना के तहत विकसित किए जाने वाले अमृत सरोवरों की कुल संख्या लगभग 50,000 है, जिन्हें इस साल 15 अगस्त तक विकसित किया जाना था। गुजरात पर्यटन के प्रचार के एक वीडियो पर एक ट्वीट का जवाब देते हुए मोदी ने कहा, ''कच्छ पर एक प्यारा वीडियो। जब 2001 में भयंकर भूकंप आया, तो लोगों ने कच्छ के शोक संदेश लिख दिए थे लेकिन इस जिले के लोगों के बारे में कुछ उल्लेखनीय है। वे फिर से उठे और जिले को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। आज कच्छ पर्यटन के लिए एक शानदार गंतव्य है।%% लद्दाख को उसकी लकड़ी की नक्काशी के लिए जीआई टैग मिलने की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इससे लद्दाख की सांस्कृतिक परंपराएं और भी लोकप्रिय होंगी और कारीगरों को लाभ होगा।

कमलनाथ पर उम्र हावी हो रही है: शिवराज

भोपाल। इंदौर में दिए गए कमलनाथ के बयान पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पलटवार कर कहा- उन पर उम्र हावी हो रही है। वे सोने की चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुए हैं। कॉर्पोरेट राजनीति करते हैं। कमलनाथ ने मंगलवार को कहा था- मैं न कोई किसान का बेटा हूं, न ही चायवाला, न राजा - महाराजा और न ही कोई कलाकार हूं, इसलिए मैं राजनीति के दांव-पेंच नहीं जानता।

पूर्व सीएम के इस बयान पर शिवराज ने आज भोपाल के स्मार्टपार्क में पौधारोपण के बाद कहा- पता नहीं कमलनाथ क्या-क्या बोलते हैं। मैं किसान नहीं हूं... मैं मामा नहीं हूं...। मामा तो तुम हो ही नहीं सकते। मामा वो होता है, जिसके दिल में बहन - बेटियों के लिए इज्जत होती है। हर कोई मामा थोड़ी हो सकता है। सीएम ने कमलनाथ पर आगे कहा- तुम किसान हो ही नहीं सकते, क्योंकि कर्जमाफी का वादा करके मुकर गए। माटी की सौंधी सुगंध आप जानते नहीं हो। चायवाला तो कोई गरीब ही हो सकता है। सोने की चम्मच मुंह में लेकर कॉर्पोरेट राजनीति करने वाले और मौका मिलते ही प्रदेश को लूटने वाले कैसे चायवाले हो सकते हैं।

कांग्रेस बना रही झूठ पत्र

सीएम शिवराज ने कहा- कांग्रेस झूठ पत्र बनाने की बैठक लगातार कर रही है। कमलनाथ जी आते - जाते कम हैं, लेकिन कमरे में बैठकें खूब करते हैं। कांग्रेस की रीति सदा चली आई, वचन जाए पर दंभ न जाई। पिछले वचन पूरे किए नहीं। कमलनाथ और कांग्रेस नए वचनों पर उतारु है। पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा के लिए आय सीमा 10 लाख तक बढ़ाई जाएगी। ये वचन पूरा क्यों नहीं किया?

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत अधोसंरचना योजना की शुरुआत कल मुरैना में

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत अधोसंरचना योजना के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर 196 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट बनाई जा रही हैं। 24 जिला चिकित्सालयों में 50 बिस्तरों की क्षमता की क्रिटिकल केयर ब्लॉक और 9 चिकित्सा महाविद्यालयों में 50 बिस्तर के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनाए जा रहे हैं। इसी तरह 35 जिला चिकित्सालयों में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब बनाई जाएंगी। 6 अप्रैल को मुरैना में इसकी शुरुआत होगी।

श्री चौहान ने यह बात प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आधारभूत अधोसंरचना योजना के अंतर्गत किए जाने वाले भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए दी। मुरैना में लाड़ली बहना सम्मेलन भी होगा, जिसमें प्रत्येक ग्राम की 8 से 10 महिलाओं की भागीदारी से लाड़ली बहना सेना बनाने और उन्हें सामाजिक जागरूकता के लिए कार्य करने का जिम्मा सौंपने की जानकारी दी जाएगी। बैठक में बताया गया कि मुरैना से कुल 84 भवनों का वर्चुअल लोकार्पण किया जाएगा जिसकी लागत 82.99 करोड़ रूपए है। इसके साथ ही 309 स्वास्थ्य संस्थाओं का भूमिपूजन भी होगा, इसके लिए कुल 1130.86 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की गई है।

धार्मिक, सामाजिक और लोकमहत्व के आयोजनों मे...

हादसों को रोकने के लिए कांग्रेस लाएगी कानून: कमलनाथ

भोपाल। पीसीसी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि मप्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर हम समूचे प्रदेश में धार्मिक, सामाजिक और लोकमहत्व के कार्यक्रम में हादसों को रोकने के लिए कानून लाएंग और उनका सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य करेंगे। ताकि ऐसे आयोजन व्यापक रूप से पूरे उत्साह से मनाये जा सकें। एक बयान जारी कर उन्होंने कहा- इन आयोजनों को आमजनो की सहभागिता के आधार पर वर्गीकृत किया जायेगा। एक हजार से पांच हजार, पांच हजार से पचास हजार, पचास हजार से एक लाख और एक लाख से अधिक लोगों के किसी आयोजन में शामिल होने के पूर्व उस स्थल का व्यापक रूप से सेफ्टी और सिक्युरिटी ऑडिट किया जायेगा, जिसके लिए बाकायदा एक कानून भी लाया जायेगा। बड़े आयोजन के लिए आयोजन स्थल तक पहुँचने का एक पूर्व निर्धारित ट्रेफिक प्लान भी बनाया जायेगा। इन उपरोक्त सभी संदर्भों के लिए एक कांपिटेंट अथॉरिटी (सक्षम प्राधिकारी) का गठन किया जायेगा।

क्या संविदा कर्मियों-अतिथि शिक्षकों को नियमित नहीं कर सकते?

नर्मदापुरम के पिपरिया में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए पीसीसी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार ने लाखों करोड़ों रुपए कर्जा लिया है, क्या इस कर्ज का उपयोग हमारे संविदा कर्मियों को अतिथि शिक्षकों को ठेका श्रमिकों को नियमित करने में किया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि कर्जा लेकर बड़े बड़े ठेके दिए गए और बड़े स्तर पर कमीशन खोरी की गई, योजना बाद में चौपट हो जाती है। सरकार बनाने पर बाकी बचे हुए किसानों का कर्जा माफ करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। नर्मदापुरम ऐसा जिला है जहां हमने 53000 किसानों का कर्जा माफ किया, मेरे 15 महीने के कार्यकाल की जनता साक्षी है।

पत्रकारों के संरक्षण का प्रावधान करेंगे

पत्रकारों के संरक्षण के लिए हम अपने वचन पत्र में विशेष रुप से प्रावधान लेकर आ रहे हैं, निष्पक्ष पत्रकार सच की आवाज उठाना चाहते हैं और भारतीय जनता पार्टी अपने कर्मों को छुपाना चाहती है। निष्पक्ष पत्रकारों पर आज बहुत बड़ी जवाबदारी है, वे सच्चाई को जनता के सामने लेकर आए।

राहुल गांधी ने अपनी लड़ाई को लोकतंत्र की लड़ाई बनाया: सिंधिया

नई दिल्ली। भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस को घेरते हुए

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने अपनी व्यक्तिगत लड़ाई को, लोकतंत्र की लड़ाई बना दिया है। वह राजनीतिक रूप से खुद को प्रासंगिक रखने के लिए जो संभव हो, वो कर रहे हैं। इसकी जितनी आलोचना की जाए कम है। बता दें कि मानहानि मामले में राहुल गांधी को सूरत की अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है, जिसके बाद उनकी संसद सदस्यता चली गई है। इसे लेकर विपक्ष सरकार पर आरोप लगा रहा है। वहीं सरकार का कहना है कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दुर्भाग्य से नए निचले स्तर पर गिर गई है। देश में एक माहौल बनाया जा रहा है...शहर-शहर में ट्रेनें रोकी गईं और आमजन को परेशान किया गया। क्या यह गांधीवाद का सिद्धांत है? एक व्यक्ति विशेष के लिए ऐसा क्यों हो रहा है? कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को विशेष सत्कार दिया जा रहा है। जमानत के लिए जब गए तो नेताओं की पूरी फौज ले गए। यह अदालत पर दबाव बनाने का प्रयास नहीं है तो क्या है?

कांग्रेस की कोई विचारधारा नहीं

सिंधिया ने कहा कि इस पार्टी ने पिछड़ों का अपमान किया है और सुरक्षाबलों से उनकी बहादुरी के सबूत मांगे। यह पहली बार नहीं है कि किसी संसदीय सदस्य को अयोग्य ठहराया गया है लेकिन राहुल गांधी मामले में जो अभूतपूर्व हंगामा किया जा रहा है, यह शर्मनाक है। सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस की कोई विचारधारा नहीं है। इनकी केवल एक विचारधारा बची है और वो है देशद्रोही की विचारधारा...देश के विरुद्ध काम करने की विचारधारा। कांग्रेस पार्टी के लिए कुछ लोग फर्स्ट क्लास नागरिक हैं और हम और आप थर्ड क्लास नागरिक।

लोकसभा-राज्यसभा 2 बजे तक स्थगित

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में जेपीसी की मांग को लेकर विपक्ष का हंगामा, कल सत्र का आखिरी दिन

नई दिल्ली। 13 मार्च को शुरू हुए संसद के बजट सत्र का 14वां दिन है। कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को काले कपड़े में संसद आने का निर्देश दिया है। कांग्रेस सत्र शुरू होने के दिन से ही अडाणी-

हिंडनबर्ग मामले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग को लेकर सरकार पर हमलावर है। कल सत्र का आखिरी दिन है।

पिछले 13 बैठकों में लोकसभा-राज्यसभा अडाणी-हिंडनबर्ग मामले पर संयुक्त संसदीय समिति की मांग और राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने को लेकर हंगामे की भेंट चढ़ गया। भाजपा सांसदों ने भी राहुल गांधी के लंदन में दिए बयान को लेकर खूब हंगामा किया। हालांकि, राहुल की लोकसभा सदस्यता खत्म होने के बाद से भाजपा शांत है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम कोर्ट के निर्णय पर बहस नहीं करेंगे लेकिन अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे। सरकार अडाणी के मामले में जेपीसी का गठन नहीं चाहती है। सदन न चलने देने की योजना वह पहले से ही करके आते हैं।

खड़गे की बैठक में 12 विपक्षी दल शामिल हुए- कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चेम्बर में विपक्षी दलों के सांसदों की बैठक हुई। इसमें विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाते हुए केंद्र सरकार से अडाणी मामले में जेपीसी बनाने की मांग जारी रखने का ऐलान किया। बैठक में 12 विपक्षी दलों के सांसद शामिल हुए। इधर, सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की मीटिंग हुई। इसमें भी कांग्रेस सांसदों ने जेपीसी की मांग को लेकर सरकार पर हमले की रणनीति बनाई।

पेपर लीक केस में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष गिरफ्तार

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से 3 दिन पहले तेलंगाना पुलिस ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रात करीब 12 बजे करीमनगर स्थित उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गई। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें पेपर लीक केस में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, पर वे नहीं गए। इसी के चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस के उनके घर पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ता और बंदी संजय के समर्थक उनके घर पर जुट गए और पुलिस को रोकने की कोशिश की। कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने मौके की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की।

कोरोना: केरल-महाराष्ट्र फिर बन रहे कोरोना हॉट-स्पॉट, 7 राज्यों में मौत

नई दिल्ली। कोरोना महामारी का खतरा एक बार फिर बढ़ने लगा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में कोरोना के 4435 मामले दर्ज हुए हैं। इसके साथ ही देश में एक्टिव मरीजों की संख्या 23 हजार पार हो गई है। अभी 23,091 मरीजों का इलाज देश के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। पिछले 24 घंटों में 15 मरीजों की मौत हुई है। इसमें केरल और महाराष्ट्र के 4-4 मरीज शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, ओडिशा और पंजाब में एक-एक मरीज की मौत की सूचना है। बीते 24 घंटों में कोरोना से हुई 15 मौतों में 4 सिर्फ महाराष्ट्र में हुई हैं, जबकि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक और पुडुचेरी में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। इनके अलावा केरल से 4 लोगों की मौत रजिस्टर की गई है, लेकिन यह बैकडेट में है। यानी ये मौतें पहले कभी हुई हैं, जिन्हें आज दर्ज किया गया है। देश में मंगलवार को मिले 4435 नए केस में से 2905 सिर्फ 5 राज्यों में मिले हैं।

समाज के लिए स्वतंत्र प्रेस जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

मीडिया वन चैनल को मिलेगा लाइसेंस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली मीडिया वन की याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिसने समाचार चैनल के लाइसेंस को रद्द करने के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रसारण मंत्रालय को चार हफ्ते के अंदर चैनल को नवीनीकरण लाइसेंस जारी करने को कहा। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश तक नवीनीकरण की अनुमति जारी रखने की अनुमति दी। कोर्ट ने इस दौरान प्रेस की स्वतंत्रता पर बड़ी टिप्पणी की। कहा कि समाज के कामकाज के लिए एक स्वतंत्र प्रेस महत्वपूर्ण है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा- ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे टेररिस्ट लिंक साबित होता हो। ऐसा कोई भी तथ्य नहीं है, जिससे साबित हो कि राष्ट्रीय सुरक्षा या फिर कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई हो। लोकतांत्रिक देश मजबूती से चलता रहे, इसके लिए प्रेस की स्वतंत्रता जरूरी है। लोकतांत्रिक समाज में इसका किरदार बहुत अहम होता है। यह देश की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालता है।

उन्होंने कहा, सभी इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट को खुफिया नहीं कहा जा सकता है। इससे लोगों के अधिकारों और उनकी आजादी पर असर पड़ता है। सरकार को सूचनाओं को सार्वजनिक करने से पूरी तरह मुक्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा- राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा लोगों को अधिकार छीनने के लिए नहीं उठाया जा सकता है। गृहमंत्रालय ने इस मामले में मनमाने ढंग से यह मुद्दा उठाया है। हम सरकार को ऐसा कदम नहीं उठाने दे सकते, जिससे प्रेस हर हाल में उसे समर्थन करे। सरकार की आलोचना किसी टीवी चैनल का लाइसेंस रद्द करने का अधिकार नहीं हो सकता है।

अमेरिका ने किया आईएसआईएस कमांडर को मारने का दावा

वाशिंगटन। अमेरिका ने सीरिया में ड्रोन स्ट्राइक के दौरान एक सीनियर आईएसआईएस कमांडर का मारने का दावा किया है। अमेरिकी सेना के मुताबिक इस कमांडर का नाम खालिद अय्यद अहमद अल-जबौरी था। वह यूरोप में आतंकी हमलों की प्लानिंग के लिए जिम्मेदार था। इसकी मौत के बाद ट्रूप्स के लिए यूरोप में हमले की साजिश रचना मुश्किल हो जाएगा।

वहीं सीरियन सिविल डिफेंस फोर्स व्हाइट हेल्मेट्स ने कहा कि हमले के बाद हमने एक शख्स को घायल हालत में रेस्क्यू किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट ने कहा- सोमवार को ड्रोन हमले में केफतीन गांव के पास एक व्यक्ति की मौत हुई है।

साक्षात्कार-संजय सक्सेना

श्रीअन्न उपजाओ, श्रीअन्न खाओ और पानी बचाओ: प्रहलाद पटेल

मोटा अनाज न केवल सेहत के लिए बेहतर है, अपितु पानी की बचत भी करता है

भोपाल। अनाज और पानी। हमारे जीवन की दो महत्वपूर्ण जरूरतें। अनाज को लेकर जहां सेहत से जुड़े मसले चर्चाओं में हैं, वहीं जल यानि पानी को लेकर लगातार आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि यदि तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो पानी को लेकर ही होगा। अनाज की पैदावार का सीधा संबंध मिट्टी और पानी से है। हमने इस मुद्दे पर केंद्रीय केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं जल शक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से चर्चा की। उनका कहना है- हम गेहूं, गन्ने जैसी फसलों की तरफ अंधाधुंध भागे, जिससे न केवल हमारी मिट्टी अपितु हमारे शरीर की सेहत भी खराब हुई। यदि देश का हर नागरिक जान जाए कि एक किलो गेहूं का आटा और एक किलो शक्कर बनने में कितना पानी लगता है तो वह उन नीतियों पर सवाल उठाएगा कि क्यों हमारे बाजरा जैसे श्री अन्न को मोटा अनाज कहा गया? उनका मानना है कि बाजरा वर्ष हरित क्रांति के बाद की गई गलतियों को सुधारने का काम करेगा। मोदी सरकार ने पुराने जलस्रोतों को बचाने से लेकर नए जलस्रोत बनाने का काम किया है। प्रस्तुत है श्री पटेल से चर्चा के प्रमुख अंश-

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2023 को बाजरा वर्ष घोषित करने के बाद इसे श्रीअन्न के नाम से पुकारा जा रहा है। लेकिन, पैदावार, प्रसंस्करण और बाजार के हिसाब से बात करें तो उत्साहजनक नतीजे नहीं दिख रहे। आप क्या मानते हैं?

-अच्छी बात है कि दुनिया के खाद्य वैज्ञानिकों ने हमारे श्री अन्न का पहली बार प्रमाणीकरण किया। बुजुर्ग तो जानते थे और मानते थे कि यह हमारा आदर्श भोजन है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2017 में दुबई के अंतरराष्ट्रीय मेले में ये बात कही थी। उन्होंने 2018 में भारत में बाजरा वर्ष घोषित किया। 2021 में पांच मार्च को संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया। 2017 से 2023 तक की यह यात्रा कितनी उत्साहजनक है। अभी यह कहने में हिचक हो रही, क्योंकि इसके अनर्थ भी निकलेंगे कि हमने मात्रा पर बहुत जोर दिया, लेकिन गुणवत्ता के बारे में कुछ नहीं किया। गेहूं और धान जैसी फसलों में आगे बढ़े। इनमें इतना पानी लगता है, जिसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता। एक किलो शक्कर, एक किलो चावल और एक किलो आटा बनने में कितना पानी लगता है यह देश के हर नागरिक को मालूम होना चाहिए। मोटा अनाज सबसे कम पानी में पैदा होने वाली फसल है। कोदो के बीज की उम्र पंद्रह साल तक है। दुनिया में उसके मुकाबले उम्र रखने वाला दूसरा बीज नहीं है। रागी सबसे खराब जमीन में पैदा होगी, सबसे कम पानी लगेगा, सबसे कम समय में पकेगी। यह 62 दिन में पकती है और गेहूं की फसल 120 दिन में पकती है। मुझे लगता है कि पहले हमने गलत रास्ता अपनाया। अगर हम निर्यात कर रहे हैं तो शक्कर का कर रहे हैं, आटे का कर रहे हैं। ये खर्चीली चीजें हैं। एक तरह से हम पानी बेच रहे हैं। हमने मात्रा का जो भूत अपने दिमाग पर चढ़ाया उसने हमें बहुत नुकसान पहुंचाया।

- साक्षात्कार: शेष पेज 6 पर

एमबीएम कॉलेज ग्राउंड मैदान में कल होगा भोजपुरी महोत्सव

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

भोपाल में बड़े स्तर पर भोजपुरी समाज के लोक निवासरत हैं काफी समय बाद भोजपुरी महोत्सव को लेकर जोरों से तैयारियां शुरू की जा रही हैं अभी हाल ही में भोपाल जिला भाजपा के महामंत्री एवं महापौर परिषद के सदस्यश्री रविंद्र यति अंजनी कुमार सिंह सांसद प्रतिनिधि दिनेश कुमार मिश्रा गंगा सागर यादव लक्ष्मण गिरी रमेश यादव पुरुषोत्तम सिंह आदि प्रमुख लोगों के नेतृत्व में बैठकों का दौर जारी है अभी हाल ही में होटल राज रेजीडेंसी में बैठक के दौरान राजधानी के सभी विधानसभा क्षेत्र में निवासरत भोजपुरी समाज के लोगों को बताया गया कि बड़े स्तर पर भोजपुरी महोत्सव का आयोजन किया जाना तय किया गया है जिसमें बिहार के भोजपुरी गायक गोलू राजा एवं उत्तर प्रदेश पूर्वांचल की गायिका सुश्री अनुपमा यादव की उपस्थिति में महोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति की जाएगी जिसमें भोजपुरी व्यंजन के के साथ मेले का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें भोपाल के आसपास के मंडीदीप रायसेन विदिशा सीहोर क्षेत्र के लोगों को खासतौर से आमंत्रित किया गया है बैठक का संचालन गंगा सागर यादव ने किया आभार रमेश यादव ने किया।

स्कूलों के नए सत्र के शुभारंभ पर बच्चों का टीका लगाकर किया स्वागत

संत सिद्ध भाऊ ने अपने आशीर्वचनों से किया छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन

संत हिरदाराम नगर। स्कूलों के नए सत्र के शुभारंभ पर बच्चों को टीका लगाकर स्वागत किया गया। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में इस सत्र की प्रथम प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में संत सिद्ध भाऊ ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि नए सत्र का प्रथम दिवस अति महत्वपूर्ण होता है इसीलिए हमें इस दिन संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करते हुए मन लगाकर पढ़ाई करेंगे। अपने माता-पिता एवं गुरुजनों के प्रति सदैव कृतज्ञता का भाव रखेंगे क्योंकि उनके त्याग एवं परिश्रम के कारण ही हम अपने मनवांछित लक्ष्य को प्राप्त कर पाते हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अच्छी तरह से पढ़ने के लिए सबसे जरूरी है-स्वस्थ रहना, इसलिए अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें।

मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल में नवीन अकादमिक सत्र का आरंभ: मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल में नवीन अकादमिक सत्र का आरम्भ हुआ। जिसका प्रारंभ प्रार्थना सभा में संत सिद्ध भाऊ के आशीर्वचनों से हुआ। सिद्ध भाऊ ने अपने उद्धबोधन में विद्यालय के छात्रों को जीवन के सार्थक उद्धेश्यों से अवगत कराया। अपने माता-पिता के प्रति पूर्ण समर्पण से श्रद्धा से निष्ठा पूवर्क भाव रखते हुए अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए उचित परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सोसायटी के सचिव ए.सी. साधवानी, संस्था के अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी भी उपस्थित थे।

साधु वासवानी स्कूल में नए सत्र पर शिक्षकों ने आरती उतारी: सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में नए सत्र का शुभारंभ बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए जिनका स्कूल द्वार पर ही बड़े उत्साह के साथ स्वागत कर शिक्षकों द्वारा टीका आरती करके विद्यार्थियों को उत्साहित किया गया। नर्सरी कक्षा में नये विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए जिन्हें चॉकलेट और जोकर के नृत्य दिखाकर खुश किया गया। इस अवसर पर शिक्षाविद् विष्णु गेहानी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भोपाल। 51 हज़ार हनुमान चालीसा पाठ के क्रम में श्रीमदभागवत कथा स्थल कोकता में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। यह आयोजन विष्णु विश्वकर्मा मित्र मण्डल द्वारा किया गया।

भोपाल। कांग्रेस मीडिया विभाग उपाध्यक्ष संगीता शर्मा की उपस्थिति में जन्मदिन बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने गरीब बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

फंदा ब्लॉक की ग्राम पंचायत अरेडी क्रेशर बस्ती में गरीब बच्चों को डेलाइट एजुकेशन फाउंडेशन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहली से आठवीं तक के बच्चों को निशुल्क स्कूल बैग कॉपी किताब एवं शिक्षण सामग्री भोपाल जिला पंचायत के उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष मोहन सिंह जाट के हाथों से 75 से अधिक बच्चे बच्चियों को वितरित कराई। डेलाइट एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष राम मीणा ने बताया कि फाउंडेशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उनको निशुल्क स्कूल बैग शिक्षण सामग्री आदि का सहयोग कर उन्हें शिक्षित कराने का प्रयास है हमारे देश में कोई भी बच्चा स्कूल जाने से ना रहे उसको शिक्षा का पूरा अधिकार है हमारी संस्था ऐसे निर्धन एवं गरीब माता-पिता के बच्चों को पढ़ाने लिखाने में सहयोग करती है आज ग्राम पंचायत अरेडी में शिविर लगाकर शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं भोपाल जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट जी के हाथों से वितरित कराया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष राहुल मरमट, रिया खरे, नीरज, अर्जुन, स्वाति, राजू, रामशंकर, श्रद्धा, रीना, आयुष, नमन, नंदकिशोर, दीपक, मयूर श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

बीयू की प्रावीण्य सूची में आने पर शिक्षिका को किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय की शिक्षिका का संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज में एम.एस.सी केमिस्ट्री में बरकतउल्ला विष्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में चैथा स्थान प्राप्त करने पर संस्कार परिवार द्वारा सम्मान किया गया। वर्निका दुबे ने अपनी सम्पूर्ण स्कूली शिक्षा संस्कार विद्यालय से प्राप्त की थी एवं सत्र 2016-17 में संस्कार विद्यालय से बारहवीं कक्षा पास की थी। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा ने वर्निका दुबे को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

साधु वासवानी स्कूल ग्राउंड में आज होगा झूलण जो मेलो कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। साधु वासवानी स्कूल ग्राउण्ड पर आज झूलण जो मेलो का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। झूलण जो मेलो कार्यक्रम के संयोजक व अखिल भारतीय सिंधी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी ने बताया कि 5 अप्रैल को होने वाले महोत्सव में सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल की आरती से कार्यक्रम की शुरुवात की जाएगी। जगदीश आसवानी ने झूलण जो मेलो उत्सव में होने वाले अनेकों रंगारंग कार्यक्रम के बारे मे विस्तार से बताया कि कार्यक्रम में सिंध प्रांत पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी और हेमू कालाणी के जीवन पर आधारित सिंधी नाटक का मंचन किया जाएगा। कलाकारों का जैसे मुख्य अंतराष्ट्रीय सिंधी हास्य कलाकार परमानंद प्यासी,मशहूर कलाकार जूनियर अमिताभ बच्चन, मशहूर सिंगर प्रिया ज्ञानचंदानी व फेमस कशिश तलरेजा डांस की सुंदर प्रस्तुति देंगी, आने वाले सभी मेहमानों को झूलेलाल के चित्र का कैलेंडर सम्मान स्वरूप भेंट किया जाएगा।

अमझरा में आग लगने से 15 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जली

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

ग्राम अमझरा में आग लगने से 15 एकड़ जमीन पर खड़ी गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई काश्तकार ओमकार गुर्जर ने बताया कि खेत बिजली के खंभों में लगे हुए तार से चिंगारी निकलने पर फसल में आग लग गई जिससे उनके करीब 7 एकड़ खड़ी गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई साथ ही दो अन्य काश्तकारों के खेतों को भी नुकसान हुआ है पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ समाजसेवी कामता प्रसाद पाटीदार ने बताया कि किसानों की करीब 6 महीने की कड़ी मेहनत के बाद फसल तैयार होती है ऐसी में छोटे कास्तकार के लिए यह नुकसान बहुत बड़ा है शासन को चाहिए कि वह उपज मूल का मुआवजा दिलाएं प्रति हेक्टेयर के हिसाब से क्षतिपूर्ति देना उचित नहीं होगा साथ ही जो फसल बीमा की राशि है वह भी उचित हो पाटीदार ने बताया कि इस क्षेत्र के अनेक किसानों को आगजनी की घटनाओं से बहुत बड़ा नुकसान हुआ शासन को चाहिए कि वह उनकी उचित देखभाल करें

निगमायुक्त ने ग्रीन रिसोर्सेज सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रा.लि. पर लगाया 25 लाख जुर्माना

भोपाल । नगर निगम द्वारा शहर से निकलने वाले कचरे के समुचित प्रबंधन एवं निष्पादन हेतु मेसर्स ग्रीन रिसोर्सेज सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रा.लि. को कार्य दिया गया है संबंधित कंपनी द्वारा कार्य संतोषजनक ढंग से न करने तथा अनुबंध की शर्तो का उल्लंधन करने पर निगम प्रशासन ने लगभग 25 लाख रूपये की पेनल्टी अधिरोपित की है। निगम आयुक्त केवीएस चौधरी ने मंगलवार को पेनल्टी संबंधी आदेश के जारी किये जिसके अनुसार मेसर्स ग्रीन रिसोर्सेज सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रा.लि. को गत 14 मार्च 2023 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था और कार्य संतोषजनक न होने के संबंध में प्रत्युत्तर मांगा गया था परंतु संबंधित फर्म द्वारा वर्तमान तक नोटिस का प्रत्युत्तर भी नहीं दिया गया और न ही कार्य में सुधार किया गया। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने संबंधित संस्था पर अनुबंध की कंडिका 3 की कंडिका 6 में ''कार्य प्रदर्शन के मानकों के अनुसार जुर्माना संरचना'' के बिन्दु क्रमांक सी अनुसार मेसर्स ग्रीन रिसोर्सेज सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रा.लि. पर रू. 24,97,500/-लाख रूपये की पेनल्टी अधिरोपित की है। आदेशानुसार संबंधित संस्था पर 750 टन ठोस अपशिष्ट औसतन प्रतिदिन, टिपिंग फीस 333/-रूपये प्रति टन के मान से 10 दिवस की अवधि के लिए राशि रू. 24,97,500/-लाख की पेनल्टी अधिरोपित की है।

बंधन बैंक ने एक ही दिन में मध्य प्रदेश में अपने नेटवर्क में 5 शाखाएं जोड़ी

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

देश के सबसे तेजी से बढ़ते बैंक्स में से एक, बंधन बैंक द्वारा मध्य प्रदेश अंचल में एक ही दिन में 5 शाखाओं की शुरुआत करने की घोषणा की गई है। इन नई शाखाओं की शुरुआत भोपाल, होशंगाबाद और पन्ना जिलों में की गई है। बैंक ने राष्ट्रीय स्तर पर अपने नेटवर्क में 50 शाखाएँ जोड़ी हैं, जिनमें से अधिकांश मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड और बिहार में हैं। आज शुरू हुई सभी शाखाओं के साथ, बंधन बैंक के पास अब 1,400 से अधिक शाखाओं का विशाल नेटवर्क है।

नई शाखाओं का विस्तार बैंक की प्रतिबद्धता का सटीक प्रमाण है, जो कि देश भर में इसकी उपलब्धता प्रदान करने और ग्राहकों के सभी वर्गों की जरूरतों को पूरा करने पर आधारित है। बैंक की नई शाखाएँ, न सिर्फ ग्राहकों को दायित्व और एसेट प्रोडक्ट्स की पूरी श्रृंखला से, बल्कि बंधन बैंक के अद्वितीय ग्राहक प्रस्तावों से भी लाभान्वित होने में सक्षम बनाएँगी। बैंक निवेश को बढ़ाते हुए अपनी भौगोलिक उपस्थिति भी दर्ज कर रहा है। यह पूर्व और उत्तर-पूर्व के बाहरी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, जिसकी योजना आगामी कुछ वर्षों में सिक्योर्ड लोन्स की हिस्सेदारी में वृद्धि करने की है।

बैंक अगले वित्तीय वर्ष में नए प्रोडक्ट्स की पेशकश करने और सेवाओं में बढ़ोतरी करने की योजना भी बना रहा है। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, चंद्र शेखर घोष, एमडी और सीईओ, ने कहा, हमारे देश में, बैंकिंग आउटलेट्स की अधिकता की गहन आवश्यकता है, जिससे कि प्रत्येक व्यक्ति के पास आसान पहुँच के साथ बैंकिंग की सुविधा लेने की सुनिश्चितता हो। सभी को बैंकिंग सुविधाएँ देते हुए और ग्राहकों के सभी वर्गों की सेवा करते हुए, बंधन बैंक अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कुएं बावड़ी एवं खुले बोरवेल तत्काल चिन्हित कर कार्यवाही करें : महापौर

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

महापौर ने उत्तर, मध्य एवं दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्रांतर्गत आने वाले वार्डों के पार्षदगण व निगम अधिकारियों की बैठक आहूत कर निर्देशित किया कि सम्पूर्ण नगर निगम सीमा अंतर्गत अनुपयोगी कूएं, बावड़ियां तथा खुले बोरवेल आदि जल स्त्रोतों का तत्काल सर्वे कराया जाए और जर्जर जल स्त्रोतों को समाप्त करने सहित अन्य समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में महापौर ने पार्षदों से भी विकास कार्यों सहित आगामी ग्रीष्म ऋतु में जलप्रदाय व्यवस्था के संबंध में चर्चा की और जलप्रदाय संबंधी समस्याओं एवं उनके निराकरण ग्रीष्म ऋतु में टैंकर से जलप्रदाय आधारित क्षेत्रों आदि की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को भोपाल उत्तर, भोपाल मध्य तथा भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के पार्षदगण व संबंधित अधिकारियों की बैठक आहूत की और विकास कार्यों, जलापूर्ति, स्वच्छ सर्वेक्षण, साफ-सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण व हाई टेंशन लाईन व डिवाइडर आदि पर पेड़ों की आवश्यकतानुसार छटाई/कटाई कार्य के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। महापौर श्रीमती मालती राय ने जलकार्य विभाग के समस्त सहायक यंत्रियों को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में खुले व जर्जर कूएं, बावड़ियों, बोरवेल आदि जल स्त्रोंतो का सर्वेक्षण सूक्ष्मता से कराएं और जर्जर जल स्त्रोतों को समाप्त करने सहित अन्य समुचित कार्यवाही की जाए। पृथक-पृथक विधानसभा क्षेत्र की पृथक-पृथक बैठक में संबंधित विधानसभा क्षेत्र के पार्षदगण, निगम के अपर आयुक्त श्री शास्वत मीणा व श्री एम.पी.सिंह सहित संबंधित जोन क्षेत्र के जोनल अधिकारी, सहायक यंत्री यांत्रिक, जलप्रदाय, विद्युत, स्वच्छता प्रभारी व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सूर्यवंशी ने निगम आयुक्त को लिखा पत्र

नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने जनसुरक्षा के दृष्टिगत नगर निगम सीमांतर्गत समस्त कुएं एवं बावड़ियों को सुरक्षित एवं संरक्षित करने के लिए समुचित कार्यवाही करने हेतु पत्र लिखा है। सूर्यवंशी ने निगम आयुक्त को प्रेषित पत्र में लिखा है कि नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी जोन एवं वार्ड क्षेत्रों में सार्वजनिक कुएं एवं बावड़ियों का सर्वे कराया जाये और कुएं एवं बावड़ियों को सुरक्षित एवं संरक्षित करने के लिये आवश्यक कदम उठाये जायें।

मप्र की धरती पर अब बेटियां वरदान: शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री बोले-बहनों ने जो विश्वास मेरे प्रति जताया उसे मैं टूटने नहीं दूंगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारत भूमि पर बेटियों का बहुत आदर और सम्मान था, परंतु एक समय ऐसा आया जब बेटियों को अभिशाप माना जाने लगा। कोख को कत्ल खाना बना दिया गया। प्रदेश में 1000 बेटों के पीछे केवल 900 बेटियाँ जन्म लेती थीं। मेरे मन में शुरू से ही बेटियों का खोया हुआ सम्मान लौटाने की तड़प थी। एक बार मैं एक सभा में कह रहा था कि भ्रूण हत्या मत करो, बेटियों को आने दो, तब बूढ़ी अम्मा ने कहा कि बेटियों की दहेज की व्यवस्था क्या तू करेगा। उसी समय मैंने प्रण लिया कि मध्यप्रदेश में बेटियों को वरदान बनाऊड्डगा। मैं दिन-रात उनके कल्याण में लग गया और मध्यप्रदेश की धरती पर अब बेटियाँ वरदान हैं। मुख्यमंत्री चौहान खंडवा में लाड़ली बहना महा सम्मेलन में बहनों को संबोधित कर रहे थे। प्रारंभ में लगभग एक लाख बहनों द्वारा शिवराज भैया को लिखी गई पातियाँ उन्हें भेंट की गईं। बहनों ने साफा बांध कर और निमाड़ी पहरावनी द्वारा मुख्यमंत्री चौहान का स्वागत किया। मुख्यमंत्री को बहनों ने राखियों से बनाई उनकी तस्वीर भी भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान ने अपने संबोधन की शुरूआत फूलों का तारों का सबका कहना है, एक हजारों में मेरी बहना है गाने से की और समापन भी इसे गाकर किया। बहनों ने भी अपने शिवराज भैया के साथ स्वर में स्वर मिलाया।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आज बड़ी संख्या में प्रदेश की बहनों ने मुझे पाती लिख और राखी बांध कर, मेरे प्रति जो विश्वास जताया है, उसे मैं टूटने नहीं दूँगा। मैं कच्चे धागे के इस बंधन को उम्र भर निभाऊँगा। मैं जिउँगा तो बहनों के लिए और यदि उनके लिए मरना पड़ा तो उसमें भी पीछे नहीं हटूँगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बहन-बेटियों के कल्याण के लिए प्रदेश में अनेक योजनाएँ संचालित हो रही हैं। प्रदेश में सर्वप्रथम लाड़ली लक्ष्मी योजना बनाई गई। बेटियों को जन्म के समय ही बचत पत्र खरीद कर दिया जाता है, जिसके द्वारा उन्हें समय-समय पर राशि मिलती है और 21 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर एक लाख रूपये मिलते हैं। गरीब बेटियों के विवाह के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह /निकाह योजना चल रही है। पंचायत और नगरीय निकायों में आधी से अधिक बहने निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। शिक्षकों की भर्ती में भी बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। पुलिस की भर्ती में बहनों को 30 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। यदि कोई संपत्ति बहन के नाम पर ली जाए तो स्टांप शुल्क में भी छूट रहेगी। प्रधानमंत्री आवास पति-पत्नी दोनों के नाम ही स्वीकृत होते हैं। प्रदेश में हर गरीब को रहने की जमीन दिलाई जा रही है। इसके लिए जो पट्टा होता है उसमें भी पत्नी का नाम अनिवार्य है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मैं प्रदेश की सभी बहनों का सगा भाई हूँ। भाई अपनी बहन को साल में एक बार सावन के महीने में राखी पर उपहार देता है। मैं भी अपनी बहनों को उपहार देना चाहता था, परंतु मेरा भाव यह था कि यह उपहार वर्ष में एक बार नहीं बल्कि हर महीने दिया जाए।

संस्कारों से ही संस्कृति की रक्षा की जा सकती है: देवकीनंदन ठाकुर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शांतिदूत धर्मरत्न श्री देवकीनन्दन ठाकुर महाराज ने भागवत कथा के दौरान कहां की सनातन धर्म एक वटवृक्ष है लेकिन दिक्कत यह है कि हर व्यक्ति अपनी शाखा बचाने में लगा है। जाति और पंथ से ऊपर उठकर हर व्यक्ति को पेड़ की जड़ में जल देने की जरूरत है। हिंदू जैन बौद्ध सब एक ही वृक्ष की शाखा है। महाराज श्री ने सनातन धर्म के अनुयायियों को चादर और फादर से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पिता ही परमात्मा होता है जैसे पिता एक होता है वैसे ही परमात्मा भी एक होता है। उन्होंने साफ कहा कि वह किसी के विरोधी नहीं है जो व्यक्ति जिस धर्म में जन्मा है उसे अपने धर्म का पालन करना चाहिए।

देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि सब सद मार्ग पर चलें, जिसको जहां पैदा किया वह अपने धर्म मजहब की बात माने लेकिन जिन्हें राम कृष्ण के यहां पैदा किया वह राम कृष्ण को माने। श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि अपने धर्म में मरना ही श्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और संस्कारों का रक्षण बहुत जरूरी है। संस्कारों से ही संस्कृति की रक्षा की जा सकती है महाराज ने कहा कि भारत में लिवइन रिलेशनशिप कानून की जरूरत नहीं थी। इसको लागू करना भारतीय संस्कृति के विपरीत है। विश्व शांति सेवा समिति, भोपाल एवं मध्य प्रदेश भाजपा मंत्री राहुल कोठारी के तत्वावधान में भोपाल, मध्य प्रदेश में 2 से 8 अप्रैल तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। आज श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस की शुरूआत विश्व शांति के लिए प्रार्थना के साथ की गई। जिसके बाद महाराज श्री ने सभी भक्तगणों को मेरे गिनियो न अपराध, लाडली श्री राधे भजन श्रवण कराया। अगर आप भागवत कथा से कुछ पाना चाहते हैं तो आपको सातों दिन कथा सुननी चाहिए। अगर आप कथा के नियमों का पालन करेंगे तो जो आप भागवत महापुराण से श्रद्धा से आप पाना चाहते हैं वो आपको मिल जायेगा। कथा श्रवण के बाद मनन ज़रूर करना चाहिए।

विधायकों को लेकर मेरे बयान को शरारतपूर्ण तरीके से पेश किया गया: कमलनाथ

कमलनाथ और शशि थरूर ने पीयूष बबेले द्वारा लिखित 'गांधी सियासत और सांप्रदायिकता' पुस्तक का विमोचन किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इंदौर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि विधायकों को लेकर मेरे बयान को शरारत पूर्ण ढंग से पेश किया गया। मैंने यही कहा की जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं का महत्व है। भाजपा के बहुत से विधायक मेरे संपर्क में हैं, लेकिन उन्हीं विधायकों का महत्व है, जिनकी जमीन पर पकड़ मजबूत है। उन्होंने कहा कि इंदौर में जिला अध्यक्ष की नियुक्ति समय आने पर हो जाएगी, तब तक यहां का एक-एक कार्यकर्ता कमलनाथ है।

पत्रकारों द्वारा पूछे गये इस सवाल पर कि क्या कांग्रेस भी महिलाओं को लॉलीपॉप देगी, पर पलटवार करते हुए श्री कमलनाथ ने कहा कि इस तरह के शब्द का प्रयोग करना गलत है। यह जरूरत है, कांग्रेस सरकार मध्यप्रदेश की बहनों को 1500 रूपये महीना देगी। कमलनाथ ने कहा कि जब हमारी सरकार थी तो हमने मंदसौर और नीमच में अतिवृष्टि का मुआवजा 7 दिन के भीतर दे दिया था। शिवराज जी की तरह सर्वे कराने की बातें कहकर किसानों को भ्रमित नहीं किया था। मध्य प्रदेश सरकार के ऊपर लगातार कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। यह कर्ज प्रदेश की भलाई के लिए नहीं दिया जा रहा है, बल्कि कमीशनखोरी के लिए दिया जा रहा है।

कमलनाथ ने सिख समाज और बेरवा समाज के प्रतिनिधि मंडल से भी मुलाकात की। कमलनाथ अधिवक्ताओं के कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी उपस्थित थे। पीसीसी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष श्री शशि थरूर ने इंदौर में श्री पीयूष बबेले की पुस्तक 'गांधी- सियासत और सांप्रदायिकता' का विमोचन किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने भरवाए लाड़ली बहना योजना के फार्म

सागर। मंगलवार को लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत ने ग्राम करैया, चतुर्भटा, विदवास और सुरखी पहुंचकर मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओ की जानकरी दी एवं शासन की महत्वपूर्ण योजना लाड़ली बहनों के लिए 1000 रूपये प्रति माह की पेशन हेतु आवेदन फार्म भरवाये। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा विकास करने वाली पार्टी है जिसमें हर वर्ग को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाती हैं लाड़ली बहना योजना एक ऐसी योजना है जिसमें हमारी बहनों के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा भाजपा को सरकार द्वारा हर महीने 1000 रूपये दिए जाएंगे ताकि वह अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा कर सकें मुख्यमंत्री की यह पहल महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम है। सुरखी जाकर रेस्ट हाउस में नगर परिषद में चल रहे विकास कार्यों की चर्चा की इस अवसर पर पार्षद गण एवं नगर पंचायत प्रतिनिधि सरवन सिह, सीएमओ नर्वदा सिंह, अरुण गौतम, महराज सिंह, कमलेश पांडे, बब्लू पांडे, विजय सिंह, वारिश खान, शिवकांत राजोरिया, प्रहलाद यादव, असलम खान, राजू ठाकुर, गुड्डू ठाकुर, अवधेश लोधी, अरविंद लोधी, ब्रजेश सिंह, मोहन अहिरवार, अशोक मिश्रा मंडल अध्यक्ष, जगदीश लोधी, विशाल लोधी, महेश कन्हौआ, सतेंद्र सिंह, पवन दुबे एवं ग्रामवासी शामिल रहे।

एम्स में डॉ. कपूर एवं डॉ. श्रीवास्तव के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन

भोपाल। प्रो. डॉ. नीलकमल कपूर की सेवानिवृत्ति एवं प्रो. डॉ. मनीषा श्रीवास्तव के प्रतिनियुक्ति कार्यकाल पूरा होने पर उनके सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एम्स भोपाल के निदेशक, सभी डीन, संकाय सदस्य, अन्य अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे । प्रो. (डॉ.) नीलकमल कपूर ने अपने जीवन के अनुभवों को दर्शकों के साथ साझा किया और युवाओं को समर्पित, ईमानदार और ईमानदार होने की सलाह दी ताकि पूरी संतुष्टि के साथ अपने पेशे का आनंद उठा सकें । निदेशक एम्स भोपाल ने प्रो. (डॉ.) कपूर के शांत व्यवहार की प्रशंसा की और कामना की कि डॉ. कपूर पैथोलॉजी विभाग के पीजी छात्रों का मार्गदर्शन करते रहें । डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने उनके कार्यकाल को चुनौतियों और सफलताओं से भरा बताया । उन्होंने कहा कि वर्तमान निदेशक के साथ काम करने के पिछले सात महीने, सीखने और उपलब्धियों से भरपूर थे । निदेशक ने डॉ. श्रीवास्तव को एक सक्षम महिला और एक मजबूत प्रशासक बताया। कुछ संकाय सदस्यों ने निवर्तमान हस्तियों के साथ बिताए अपने यादगार पलों को साझा किया ।

कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ महावीर जयंती मनाई

भोपाल। एम्स के बाल रोग विभाग ने बाल चिकित्सा वार्ड में बच्चों के साथ विशेष रूप से कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ टिफिन बॉक्स और दस्तावेज फाइलों का वितरण कर महावीर जयंती मनाई । कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ अजय सिंह, डीन (अकादमिक) प्रोफेसर डॉ राजेश मलिक और चिकित्सा अधीक्षक डॉ शशांक पुरवार ने भी क्षणों की शोभा बढ़ाई । इस कार्यक्रम को बचपन के कैंसर से ठीक हुए एक परिवार द्वारा समर्थित किया गया था ।

भोपाल में ईद की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दर्जनों स्थानों पर ईद के लिए सेवइयां इस तरह तैयार की जा रही हैं।

अभिकरण, संस्थान, मंडल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को मिला कैबिनेट और राज्यमंत्री का दर्जा

भोपाल। राज्य शासन ने आज कुछ अभिकरण, संस्थान और मंडल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को राज्य में कैबिनेट और राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। तदनुसार बाबूलाल बंजारा अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ जाति अभिकरण, भरत दास बैरागी अध्यक्ष महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, हेमंत तिवारी अध्यक्ष मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल और सुल्तान सिंह शेखावत अध्यक्ष मध्य प्रदेश शहरी एवं ग्रामीण असंगठित कर्मकार कल्याण मंडल को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष विभाष उपाध्याय को राज्य शासन ने राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है।

संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने सर्वाधिक बिजली उत्पादन का बनाया रिकार्ड

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 8758.8 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन के साथ 74.6 प्रतिशत प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) अर्जित कर विद्युत गृह बिरसिंहपुर के इतिहास में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन और सर्वोच्च पीएलएफ अर्जित करने का रिकार्ड बनाया है। इससे पूर्व इस विद्युत गृह ने वर्ष 2018-19 में कुल 8680.7 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन और 74 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित किया था। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 5 इकाइयों का वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल विशिष्ट तेल खपत 0.55 मिलीलीटर प्रति यूनिट और संयंत्र सहायक खपत (ऑक्जलरी कंजम्पशन) 8 प्रतिशत रही। संजय गांधी ताप विद्युत गृह में 210 मेगावाट क्षमता की 4 और 500 मेगावाट क्षमता की एक इकाई है। 210 मेगावाट क्षमता की 4 इकाइयाँ क्रमशः 7 अक्टूबर 1993, 26 मई 1994, 1 सितंबर 1999 एवं 1 अप्रैल 2000 को क्रियाशील हुई थीं। 500 मेगावाट की इकाई क्रमांक-पाँच 27 अगस्त 2008 को क्रियाशील हुई थी। इस विद्युत गृह की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 1340 मेगावाट है।

500 मेगावाट की इकाई ने भी बनाया अधिकतम विद्युत उत्पादन का रिकार्ड: संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता कि इकाई ने भी वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 3927.6 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन एवं 89.7 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित करते हुए अभी तक का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन और सर्वाधिक पीएलएफ अर्जित करने का रिकार्ड कायम किया। इस इकाई की कुल विशिष्ट तेल खपत 0.24 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही। यह अभी तक की न्यूनतम तेल खपत है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे एवं मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर द्वारा इतिहास में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन और सर्वाधिक पीएलएफ अर्जित करने के लिए अभियंताओं और कार्मिकों को बधाई दी है।

स्वच्छ भारत मिशन की गतिविधियों में युवाओं को जोड़ें: भूपेन्द्र सिंह

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में मध्यप्रदेश को मिला प्रथम स्थान वर्ष 2023 में भी बरकरार रहना चाहिये। स्वच्छ भारत मिशन की गतिविधियों का केलेण्डर बनायें और इसमें युवाओं को जोड़ें। स्वच्छता पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएँ करवायें। गतिविधियों का प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक करवायें और इसमें एनजीओ का भी सहयोग लें। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान स्वच्छ सर्वेक्षण के संबंध में कलेक्टर कॉन्फ्रेंस करेंगे। मैं स्वयं सभी 413 नगरीय निकायों से वीडियो कॉन्फ्रेंस से चर्चा करूँगा। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने यह निर्देश मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि नगरीय निकायों, हाउसिंग बोर्ड एवं नगर तथा ग्राम निवेश में रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही जल्द से जल्द करें। आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार भी किया जाये।

एकीकृत भूमि एवं भवन विकास नियम 30 जून तक जारी करें: मंत्री सिंह ने कहा कि नगर तथा ग्राम निवेश के कार्यालय सभी जिलों में खोलने का प्रस्ताव तैयार करें। मध्यप्रदेश एकीकृत भूमि एवं भवन विकास नियम-2022 और टीडीआर नियमों में संशोधन की कार्यवाही 30 जून तक पूरी करें।

रोड के डीपीआर में सौंदर्यीकरण को भी शामिल करें: मंत्री सिंह ने मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कम्पनी के कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि रोड के साथ ही उसके सौंदर्यीकरण को भी डीपीआर में शामिल करें। वर्तमान प्रोजेक्ट जल्द पूरे हो जायेंगे। नये प्रोजेक्ट लाने के लिये अभी से कार्यवाही करें। खुदाई के बाद सड़कों का जीर्णोद्धार ठीक ढंग से हो। मंत्री सिंह ने कहा कि अमृत-2.0 में जल-संरचनाओं और पार्क का कार्य बरसात के पहले पूरा करने का प्रयास करें। स्वीकृत कार्यों का डीपीआर जल्द तैयार करवा कर कार्य शुरू करवायें। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मण्डलोई ने बताया कि अमृत योजना में अभी तक 2 लाख 62 हजार नल कनेक्शन और 3 लाख 10 हजार सीवर कनेक्शन दिये जा चुके हैं। अमृत-2.0 योजना में कार्यों की स्वीकृति और डीपीआर बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। अमृत-2.0 योजना में जल-प्रदाय, सीवरेज, वाटर बॉडी जीर्णोद्धार और पार्क निर्माण से संबंधित कार्य करवाये जायेंगे। इन कार्यों के लिये 11 हजार 786 करोड़ 83 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।मंत्री सिंह ने कहा कि लाड़ली बहना योजना में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सभी नगरीय निकायों में पंजीयन सुनिश्चित करवायें। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। अभी तक नगरीय निकायों में लाड़ली बहना के 10 लाख से अधिक पंजीयन हो चुके हैं। कायाकल्प अभियान की समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करवायें। अभियान में 404 कार्यों की निविदाएँ जारी की जा चुकी हैं। उन्होंने अनाधिकृत कॉलोनियों को वैध करने की कार्यवाही की सतत समीक्षा के निर्देश दिये।

स म्पा द की य

राजनीति का पारस

क्या राजनीति पारस पत्थर होती है? प्रश्न इसलिए उठता है कि जिस व्यक्ति को हम झोला लटकाए घूमते देखा करते थे, वो राजनीति में आते ही स्कार्पियो, सफारी या एंडेवर में दिखने लगता है। जिस दुकान से घर नहीं चल पाता था, अचानक बंगला बन जाता है। जो खेत साल भर खाने का अनाज नहीं दे पाते, राजनीति में प्रवेश करते ही वो सोना उगलने लगते हैं। कई लोगों के खेत तो हीरे भी उगलते हैं, लेकिन ऐसा तब होता है, जब उनकी गाड़ी में लाल बत्ती लग जाती है।

कुल मिलाकर देखा जा रहा है कि राजनीति में प्रवेश करते ही कुछ अपवादों को छोड़कर, लोगों के रंग-ढंग ही बदल जाते हैं। संपत्ति में हर साल बेइंतहा इज़ाफ़ा होने लगता है। चुनाव लड़ने वाले हर पाँच साल में वे अपनी संपत्ति का ब्योरा तो चुनाव आयोग को देते हैं, लेकिन आयोग संपत्ति के इन आँकड़ों को सार्वजनिक करने के सिवाय कुछ नहीं कर पाता। वहां यह नहीं बताना होता कि इतनी सम्पत्ति कैसे आई? राजनीति में आने के बाद दिन दूनी, रात चौगुनी सम्पत्ति में वृद्धि कैसे हुई?

जब वोट चाहिए होते हैं, चुनाव जीतना होता है, तो बड़े-बडे वादे करते हैं। बंजर ज़मीन पर फसल लगवा देंगे। पेड़ लगवा कर उनकी डालियों पर फूल महका देंगे। पहाड़ों को क़रीने से सजा देंगे। उन पर चाँद लटका देंगे। सबके सिरों पर नीला आकाश फैला देंगे। सितारों को रोशन करेंगे, हवाओं को गति देंगे। फुदकते पत्थरों तक को पंख लगवा देंगे। और तो और, सड़क पर डोलती परछाइयों को ज़िंदगी दे देंगे। और जाने क्या- क्या। जीतने के बाद या सत्ता में आने के बाद उनकी संपत्ति तो बढ़ती दिखाई देने लगती है, बाकी जैसे का तैसा ही रह जाता है।

होना तो यह चाहिए कि आय से ज़्यादा संपत्ति जिसकी भी बढ़े, उसे चुनाव लड़ने ही नहीं दिया जाए। अयोग्य ठहरा दिया जाए। दूसरी तरफ संपत्ति घोषित करने में भी गई तरह की गलतियाँ रहती हैं। रिश्तेदारों, जान- पहचान वालों के नाम फैक्ट्रियां, भवन, धंधे होते हैं, किसी एजेंसी को इसका पता भी लगाना चाहिए। ऊपर से खुद ही प्रस्ताव ला-लाकर अपनी तनख़्वाह खुद ही बढ़ा लेते हैं। साथ में भत्ते भी। अपने चुनाव क्षेत्र में जाने का भी इन्हें भत्ता मिलता है। और बाकी जो बेरोजगार थे, वो रोजगार तलाशते रहते हैं। जिनकी आय कम थी, वो बढ़ाने के लिए संघर्ष करते रहते हैं। आम आदमी की हालत जानने में इनकी कोई रुचि नहीं होती। हां, कुछ लोगों को छोड़, बाकी के लिए तो यह बताने की जरूरत भी नहीं होती कि अचानक कहां से खजाना मिल गया।

परिचितों को कुछ दिन तक आश्वासन दिया जाता रहता है कि बस थोड़ा और इंतजार करो, सबके दिन बदल जाएंगे। लेकिन अधिकांश सुनहरे सपनों में खोकर ही जिंदगी गुजार देते हैं। उनके हिस्से में इंतजार, या फिर रिश्तों में बढ़ती दूरियां ही आती हैं। पहचान भी लेते हैं तो उतनी ही बात होती है, जिसमें उनकी समृद्धि का का मुद्दा न आ सके। सब जानते हैं कि जो व्यक्ति साइकिल भी नहीं ले सकता था, अचानक चार पहिए की गाड़ी कैसे आती है? लेकिन मजाल है नेताजी अपने कुर्ते पर कोई दाग दिखने दें। कुछ पार्टी नेता तो तीन-तीन मकान, दो-तीन गाड़ियां समेटने के बाद भी कहते दिखते हैं, भाईसाहब, हम तो बहुत ईमानदारी से चल रहे हैं। अब ये तो दिखावा है, मजबूरी है। हमारी पार्टी में ऐसा कुछ नहीं होता, जैसा दूसरी जगह होता है।

अब दिखता तो सब है। जानते सब हैं। कुछ ही बिरले या उन्हें दुर्भाग्यशाली भी कह सकते हैं, जो राजनीति में आकर भी कुछ खास नहीं कर पाते। बाकी को पारस पत्थर मिल जाता है। बस लोहे में लगाओ, सोना बनाओ। एक एकड़ खेत में वैसे पांच क्विंटल अनाज होता हो, पर राजनीति में आते ही उसी खेत में पचास क्विंटल तक पैदावार होने लगती है। हां, बिजनेस भी खूब फलने-फूलने लगते हैं। आयात-निर्यात का बिजनेस भी करोड़ों दिलाने लगता है। क्या आयात होता है और क्या निर्यात? ये मत पूछो। यह भी मत पूछो कि भाई साहब फैक्ट्री कहां हैं? ये मत पूछो कि बिजनेस में अचानक उछाल आया कैसे? यह कमाल वही जान पाते हैं, जो राजनीति में आ जाते हैं। राजनीति के दांव पेंच सीख जाते हैं। यही तो असल राजनीति है। हम राज करें, आप नीति के चक्रव्यूह में उलझ की जीने के लिए संघर्ष करते रहो।

इसलिए न तो मुद्दों की बात करो। न संघर्ष की बात करो। न जनहित की बात करो। कुछ पाना है तो राजनीति करो। हां, दांव-पेंच सीखकर। पारस की पहचान नहीं, तो कुछ नहीं मिलेगा। और हां, अब तैयार हो जाओ। आपके ही बीच में से उठकर जिन्हें पारस मिला है, उनके लिए कुछ करने का मौका आ गया है। उनके खेतों में सौ गुना फसल फिर पांच साल के लिए पैदा करना है। उनकी सम्पत्ति में हजार गुना वृद्धि का चुनावी मौसम आ गया है।

झांसी की झलकारी और बाबई के पंडित माखनलाल

जा कर रण में ललकारी थी,
वह तो झांसी की झलकारी थी।
गोरों से लड़ना सिखा गई,
है इतिहास में झलक रही,
वह भारत की ही नारी थी।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने उन्हीं झलकारी बाई के शौर्य को इन शब्दों में पिरोया है, जिसने खुद को रानी लक्ष्मीबाई की तरह दिखाकर गोरों को भ्रमित किया था। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई के अंग्रेजी सेना से घिर जाने पर झलकारी बाई ने सूझ-बूझ, स्वामी-भक्ति और राष्ट्रीयता का परिचय दिया था। इस घटना का उल्लेख जनकवि बिहारी लाल हरित ने 'वीरांगना झलकारी' काव्य में कुछ इस तरह किया है।

लक्ष्मीबाई का रूप धार, झलकारी खड्ग संवार चली। वीरांगना निर्भय लश्कर में, शस्त्र अस्त्र तन धार चली॥

झलकारी युद्ध के दौरान ?4 अप्रैल 1858 को वीरगति को प्राप्त हुईं। वहीं इस वीरांगना झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर 1830 को झाँसी के पास भोजला गाँव में हुआ था। वे रानी लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में महिला शाखा की सेनापति थी। रानी लक्ष्मीबाई की हमशक्ल भी थी। इस कारण शत्रु को गुमराह करने के लिए रानी के वेश में युद्ध भी करती थी। झलकारी बाई भारत की सबसे सम्मानित महिला सैनिकों में से एक हैं, जिन्होंने वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी गाथा आज भी बुंदेलखंड की लोक- कथाओं और लोक-गीतों में सुनी जा सकती है। केन्द्र सरकार ने 22 जुलाई 2001 को उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया है।

एक तरफ महान योद्धा झलकारी बाई ने 4 अप्रैल 1857 को बलिदान दिया था, तो दूसरी तरफ महान कवि, कलम के योद्धा तथा प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का 4 अप्रैल 1889 को बाबई में जन्म हुआ था। बाबई को पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के नाम पर अब माखननगर के नाम से जाना जाता है। कर्मवीर और प्रभा के प्रतापी संपादक तथा राष्ट्रीय काव्यधारा के महत्वपूर्ण स्तंभ रहे माखन दादा के सम्मान में महात्मा गांधी भी नर्मदापुरम जिले में आए थे। माखन दादा झण्डा सत्याग्रह के विजयी सेनापति थे। वर्ष 1921-22 के असहयोग आंदोलन में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और जेल भी गए। उन्हें सागर विश्वविद्यालय से वर्ष 1959 में डीलिट की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। साथ ही वर्ष 1955 में काव्य संग्रह हिमतरंगिणी के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार और भारत सरकार से वर्ष 1963 में पद्मभूषण से अलंकृत किया गया। 30 जनवरी 1968 को पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का निधन हुआ था। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में उनके नाम पर पंडित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय स्थापित किया गया, जिससे अध्ययन करने वाले विद्यार्थी पत्रकारिता के क्षेत्र में परचम फहरा रहे हैं।

यह दोनों महान विभूतियां अलग-अलग काल में देश की आजादी के संग्राम में अपना अमूल्य योगदान देकर अमर हो गईं। झलकारी की वीरता की गाथा देशभक्ति का पर्याय है तो माखन दादा का त्याग स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। राष्ट्रभक्ति के यह सशक्त हस्ताक्षर यह सीख देते हैं कि राष्ट्र ही सर्वोपरि होता है और राष्ट्र की गरिमा को सहेजकर रखना हर भारतवासी का परम कर्तव्य है। यह राष्ट्रप्रेम दादा पंडित माखन लाल चतुर्वेदी की रचना पुष्प की अभिलाषा में हर राष्ट्रभक्त की प्रेरणा का स्रोत बन जाता है।

इस रचना का यह अंश-

चाह नहीं, मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध
प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं सम्राटों के शव पर
हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ,
मुझे तोड़ लेना बनमाली,
उस पथ पर देना तुम फेंक!
मातृ-भूमि पर शीश- चढ़ाने,
जिस पथ पर जावें वीर अनेक।

-कौशल किशोर चतुर्वेदी

अब भगवा से परहेज नहीं रहा कमल और कांग्रेस को

-अरुण पटेल

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अब पूरी तरह से अपनी कमर कस चुकी हैं और कांग्रेस को भी खुलकर हिंदुत्व की राह पर चलने से अब कोई परहेज नहीं रहा है। यहां तक कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सवाल पूछा है कि क्या भगवा रंग का ठेका भाजपा ने ले लिया है। रविवार 02 अप्रैल के दिन प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का नजारा कुछ बदला-बदला नजर आया जब कांग्रेस कार्यालय में भी भगवा रंग की प्रमुखता दिखाई दी और धर्म संवाद में ऐसा ही कुछ नजर आया जिसको लेकर सवाल उठने लगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने धर्म संवाद में कहा कि भगवा (हिन्दू धर्म) का ठेका क्या भाजपा ने ले लिया है। जब हम मंदिर जाते हैं, पूजा करते हैं तो भाजपा को दर्द होता है लेकिन मैं गर्व से कहता हूं कि मैं हिन्दू हूं पर बेवकूफ नहीं। कांग्रेस पार्टी ने रविवार के दिन को मठ-मंदिर स्वायत्तता दिवस के रुप में मनाया है।

कमलनाथ ने कहा कि धर्म दिखावे की चीज नहीं है यह व्यक्तिगत मामला है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद विष्णु दत्त शर्मा तंज कसने से नहीं चूके और उन्होंने नहले पर दहला लगाते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यालय को भगवा गमछों से सजाना और पुजारियों के साथ बैठक करना दिखावा है। कांग्रेस का मूल चरित्र तुष्टिकरण का है, पार्टी के नेता देश के प्रति क्या भाव रखते हैं यह किसी से छिपा नहीं है।

कांग्रेस अब बहुसंख्यक वर्ग को साधने का प्रयास कर रही है, इसीलिए पुजारियों को आमंत्रित करने के साथ ही कार्यालय को भी भगवा गमछों और बैनरों से सजाया गया। धर्म संवाद और मठ-मंदिर स्वायत्तता दिवस में मठ-मंदिर पुजारी भी शामिल हुए। वैसे यह पहला अवसर नहीं है जब कांग्रेस में इस प्रकार का बदलाव आया है। 2018 के विधानसभा चुनाव के पहले से ही वह अपनी छवि बदलने का लगातार प्रयास करती रही है जिसका फायदा उसे 2018 के चुनाव में मिला भी जब उसने डेढ़ दशक की भाजपा सत्ता को मध्यप्रदेश में उखाड़कर कमलनाथ के नेतृत्व में अपनी सरकार बनाई। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पिछले विधानसभा चुनाव के पूर्व नर्मदा परिक्रमा की थी, भले ही यह गैर-राजनीतिक थी लेकिन उसका चुनावी लाभ कांग्रेस को मिला।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी राहुल गांधी ने महाकाल के दर्शन के साथ ही नर्मदा पूजन भी किया और कांग्रेस नेता भागवत कथा भी करा चुके हैं। मजेदार बात यह है कि राजनीति में धर्म के इस्तेमाल पर भारतीय जनता पार्टी को नसीहत देती रही कांग्रेस को भी अब धर्म सम्मेलनों से परहेज नहीं है और परहेज हो भी क्यों जब चुनाव सिर पर हो तथा मुकाबला सीधे भाजपा से हो। ऐसे में कांग्रेस के पास भी कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा सिवाय इसके कि वह भी भगवाई रंग में सराबोर नजर आये। कांग्रेस ने पहली बार प्रदेश में पुजारियों के माध्यम से एक बड़े वर्ग को साधने के लिए मंदिर-पुजारी प्रकोष्ठ का गठन किया है। इसका उद्देश्य मंदिरों के संचालकों या फिर पुजारियों को जो समस्यायें आती हैं उन्हें जानना और राज्य में फिर कांग्रेस की सरकार बनती है तो उनका समाधान करने के साथ ही तुष्टिकरण के आरोपों से मुक्ति पाना है। कांग्रेस यह भलीभांति जान गई है कि यदि सत्ता में वापसी करना है तो उसके लिए बहुसंख्यकों यानी हिंदुओं को भी साधकर चलना जरुरी है, इसीलिए उनसे जुड़ने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इस प्रकार एक तरफ कांग्रेस कार्यालय जहां भगवाई दुपट्टों से सजाधजा नजर आया तो वहीं दूसरी ओर नवाबी दौर में जो नाम प्रचलित हो गये थे उन्हें बदलने का सिलसिला शिवराज सिंह चौहान सरकार ने प्रारंभ कर दिया है। होशंगाबाद नर्मदापुरम बन चुका है, तो वहीं ताजी कड़ी में रविवार को ही सीहोर के नसरुल्लागंज का नाम बदलकर भेरुंदा कर दिया गया है, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस नगर के गौरव दिवस के अवसर पर की। लोग लम्बे समय से नाम बदलने की मांग कर रहे थे और रविवार को लोगों की वह मंशा भी पूरी हो गई। नसरुल्लागंज के इतिहास पर ध्यान दिया जाए या विचार किया जाए तो इसका संबंध भोपाल के नवाब परिवार से है। नवाब सुल्तानजहां बेगम ने अपने तीनो पुत्रों को भोपाल के पास की जागीर बांट दी थी और सबसे बड़े बेटे नसरुल्ला खां को यह जागीर दी गयी थी तथा उसका नाम उस समय भेरुंदा से बदलकर नसरुल्लागंज हो गया था जो अब फिर से भेरुंदा हो गया है। भगवाई चमक-दमक चुनाव आते-आते कितनी और चटक होती है और कमलनाथ या शिवराज में से किसको इसका लाभ मिलता है यह चुनाव परिणामों से ही पता चल सकेगा।

फूटती हिंसा और वक्त की माँग

-राकेश दुबे

इसे क्या कहूँ! एक पर्व की शोभायात्रा पर देश के छह राज्यों में हिंसा का फूटना महज संयोग नहीं है। इस पर विचार कर ही रहा था, देश की परिस्थिति और सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यानन 'अज्ञेय' याद आए। साथ ही याद आई उनकी कविता जो आज भी मौजूँ है, बीते कल यानि 4 अप्रैल 'अज्ञेय'जी का निर्वाण दिवस था।

अमृतकाल में उनकी यह कविता आज सटीक है। 75 साल बाद भी होती हिंसा के लिए उनकी यह पंक्तियाँ कितनी मुफ़ीद है-

साँप !
तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया।
एक बात पूछूँ--(उत्तर दोगे?)
तब कैसे सीखा डँसना--
विष कहाँ पाया?

यह विडंबना ही है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष व गंगा-जमुनी संस्कृति वाले देश में पर्व-त्योहारों पर हिंसक घटनाओं का अनवरत सिलसिला थम नहीं रहा है। महाराष्ट्र के मलाड, बिहार के सासाराम, बिहार शरीफ व नालंदा, वडोदरा से लेकर हावड़ा तक भड़की हिंसा दर्शाती है कि हिंसा के मूल में महज स्थानीय कारक ही शामिल नहीं थे। आशंका जतायी जा रही है कि दो संप्रदायों में विभाजन की कोशिश करके भयादोहन किया जा रहा है। कहीं न कहीं ध्रुवीकरण के जरिये वोटों की फसल सींचने की कवायद जान पड़ती है।

विपक्ष जहां इसे राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था बनाये रखने में विफलता बता रहा है, वहीं सत्ता पक्ष उपद्रवियों को भड़काने का आरोप दल विशेष पर लगा रहा है, लेकिन एक बात तो तय है कि कई राज्यों में एक साथ हिंसा का होना महज संयोग नहीं है। जो कई तरह के सवालों को जन्म दे रहा है। यूं तो विगत में भी रामनवमी के जुलूस पर पथराव की घटनाएं होती रही हैं। लेकिन ये घटनाएं छिटपुट रूप में सामने आती रही हैं। पिछले साल दिल्ली की जहांगीरपुरी में भी हिंसा हुई थी। लेकिन इस बार कई राज्यों में एक साथ हिंसा का होना गंभीर स्थितियों की तरफ इशारा करता है। देश में विभिन्न पर्व-त्योहार मिल-जुलकर शांति से मनाने की समृद्ध परंपरा रही है, लेकिन हाल के दिनों में कटुता व विद्वेष का यह आलम है कि संशय की दीवार लगातार ऊंची होती जा रही है। जिसके चलते पर्व-त्योहारों पर हिंसा आम घटनाएं होती जा रही हैं।

सबसे ज्यादा चिंता तो हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति के संकुचित होने की है। सांप्रदायिकता से परे मिल-जुलकर साथ चलने की सोच में लगातार पराभव नजर आता है। पर्व-त्योहारों के मौकों पर भड़की हिंसा के जख्म पीड़ितों को सालों-साल सालते रहते हैं। जो विभिन्न संप्रदायों में लगातार दूरी को ही बढ़ावा देती है। वहीं नेताओं के सांप्रदायिक दुर्भावना बढ़ाने वाले भाषण आग में घी का काम करते हैं। ऐसे में नफरत बढ़ाने वाले तत्वों पर अंकुश लगाने वाली एजेंसियों की ऊहापोह की स्थिति समस्या को जटिल ही बनाती है।

एक बड़ा प्रश्न यह भी कि किसी राज्य विशेष में चुनाव से पहले इस तरह की हिंसा और टकराव के मामले क्यों सामने आते हैं? फिर चुनाव के पश्चात तूफान के बाद जैसी शांति कैसे छा जाती है? निष्कर्ष स्पष्ट है कि आम लोग शांति व सौहार्द से रहना चाहते हैं मगर राजनेताओं को यह स्थिति रास नहीं आती। राजनेताओं को नहीं भूलना चाहिए कि हिंसा की बुनियाद पर बने राजनीति के गुंबदों को ध्वस्त होने में भी देर नहीं लगती। इस हिंसा से कालांतर भस्मासुर जैसा एक वर्ग ऐसा तैयार हो जाता है जो लोकतांत्रिक परंपराओं और कानून-व्यवस्था के प्रतीक व प्रतिमानों को निगल जाता है। जिसे भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के लिये शुभ संकेत नहीं माना जा सकता।

यह घटनाक्रम हमारे दिल-दिमाग पर ऐसा जहरीला प्रदूषण फैला रहा है, जिस पर काबू पाना भविष्य में सहज नहीं रहेगा। देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का संवर्धन हो और सामाजिक समरसता समृद्ध हो, इसके लिये हमारे एनजीओ, सामाजिक संगठनों व बुद्धिजीवियों को आगे आना पड़ेगा। आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को संरक्षित करने और देश में अमन-चैन कायम करने के लिये यह वक्त की मांग भी है।

कानून और न्याय: विदेशी वकीलों का भारत आगमन और उसका प्रभाव

विनय झैलावत

बार कौंसिल ऑफ़ इंडिया की अनुमति एवं नियमों से विदेशी वकीलों और लॉ-फर्मों का भारत आगमन आसान हो गया है। लेकिन विदेशी वकीलों और लॉ-फर्मों को केवल गैर-मुकदमेबाजी क्षेत्रों में कार्य करने की अनुमति दी जाएगी। विदेशी वकीलों की एंट्री केवल पारस्परिक आधार पर होगी। यानी केवल उन्हीं देशों के वकीलों को भारत में अनुमति दी जाएगी, जहां भारतीय वकीलों को भी वकालत करने की अनुमति है।

अभी कुछ समय पूर्व वकीलों की संस्था बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने विदेशी वकीलों और कानून फर्मों को पारस्परिकता के आधार पर भारत में विदेशी कानून और विविध अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय आर्बिट्रेशन मामलों में कार्य करने की अनुमति देने का फैसला किया है। इसने भारत में विदेशी वकीलों और विदेशी लॉ-फर्मों के पंजीयन और विनियमन के लिए बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया के नियमों, 2022 को अधिसूचित किया है। इन नियमों के उद्देश्य और कारण बताते हैं कि विदेशी कानून के प्रैक्टिस के क्षेत्र में विदेशी वकीलों के लिए भारत के विधिक क्षेत्र में विविध अंतर्राष्ट्रीय कानून मुद्दे और अंतर्राष्ट्रीय आर्बिट्रेशन मामलों में भारत में कानूनी पेशे / डोमेन के विकास में मदद करने के लिए लंबा रास्ता तय करना होगा। विदेशी वकीलों के भारत में आने को नियंत्रित और विनियमित किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह भारत और विदेशों के वकीलों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी हो। कानूनी/पेशेवर विशेषज्ञता भारत की कानूनी बिरादरी में पीछे न रहे इसलिए उक्त प्रावधान किए गए है। कानूनी पेशे और भारत में कानूनी क्षेत्र में विकास और विकास के अवसर को सुनिश्चित करने की दशा में यह महत्वपूर्ण कदम है।

सर्वोच्च न्यायालय ने बीसीआई बनाम एके बालाजी प्रकरण के फैसले में कहा है कि विदेशी लॉ-फर्म / कंपनियां या विदेशी वकील मुकदमेबाजी या गैर-मुकदमेबाजी पक्ष में भारत में कानून के पेशे की प्रैक्टिस नहीं कर सकते हैं। वे भारतीय क्लाइंट को केवल अस्थायी आधार पर फ्लाई इन एंड फ्लाई आउट (अर्थात आते-जाते) मोड़ पर सलाह दे सकते हैं। इसमें यह भी कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक आर्बिट्रेशन (पंचाट) से संबंधित अनुबंध से उत्पन्न विवादों के संबंध में आर्बिट्रेशन की कार्यवाही करने के लिए विदेशी वकीलों को भारत आने से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। हालांकि, बीसीआई ने अपनी अधिसूचना में कहा कि कानून में प्रवीणता में भारतीय वकीलों के मानकों की तुलना अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ की जा सकती है और भारत में कानूनी बिरादरी को कोई नुकसान होने की संभावना नहीं है।

भारत में कानून की प्रैक्टिस प्रतिबंधित और अच्छी तरह से नियंत्रित और विनियमित तरीके से विदेशी वकीलों के लिए खोला जाता है तो यह भारतीय वकीलों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इंग्लैंड का दावा है कि उसने भारतीय वकीलों / कानून फर्मों को इंग्लैंड और वेल्स में स्थापित करने की अनुमति दी है। वे भारतीय कानून, अंतरराष्ट्रीय कानून की प्रैक्टिस करने के साथ-साथ अंग्रेजी कानून की सलाह भी दे सकते हैं। बीसीआई ने कहा कि वह दावों का सत्यापन करेगा और उसी के अनुसार कार्रवाई करगा।

एके बालाजी बनाम बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया एवं अन्य मामले के पहले सर्वोच्च न्यायालय की राय यह थी कि विदेशी कानूनी फर्म भारत में न तो अपना ऑफिस खोल सकती हैं और न भारतीय अदालतों में प्रैक्टिस कर सकती हैं। लेकिन, वे अपने भारतीय मुवक्किलों को आते-जाते अस्थाई तौर पर सलाह दे सकती हैं। कोर्ट ने केंद्र और बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया (बीसीआई) को इस बारे में नियम बनाने को कहा है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने 21 फरवरी 2012 को एके बालाजी बनाम बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया एवं अन्य मामले में दिए गए मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को कुछ संशोधनों के साथ सही ठहराया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि विदेशी वकील संक्षिप्त अवधि के लिए भारत आकर अपने मुवक्किलों को सलाह दे सकते हैं। साथ ही विदेशी वकीलों को भारत आने और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता की प्रक्रिया में भाग लेने से रोका नहीं जा सकता।

बीसीआई की ओर से एडवोकेट अधिनियम, 1961 की धारा 33 का उल्लेख किया गया। इसमें चार्टर्ड एकाउंटेंट्स तथा आयकर की प्रैक्टिस करने वालों, आदि जो कि एडवोकेट के रूप में पंजीकृत हैं, उन्हें प्रैक्टिस करने की अनुमति दी गई है। इस अधिनियम की धारा 32 किसी ऐसे व्यक्ति को कोर्ट में पेश होने की अनुमति देती है, जो कि एडवोकेट के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। इसका हवाला देते हुए कहा गया कि धारा 29 और 32 में इस तरह के प्रावधान नहीं है कि उन्हें पेश होने के अलावा किसी और बात की इजाजत भी हो। इस संबंध में लॉयर्स कलेक्टिव बनाम बीसीआई एवं अन्य मामले में सन 2009 में बॉम्बे हाईकोर्ट के द्वारा दिए गए फैसले का भी उल्लेख किया गया।

मद्रास हाई कोर्ट के फैसले का समर्थन करते हुए कुछ लॉ-फर्मों की पैरवी करने वाले की और से कहा गया कि विदेशी कानून पर सलाह देने के लिए विदेशी वकीलों के भारत आने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इंग्लैंड की छह कानूनी फर्मों की ओर से दलील देते हुए कहा गया कि 'आने-जाने की छूट को वैध करार माना जाना चाहिए। इनके द्वारा मध्यस्थता के मामले के संबंध में मद्रास हाईकोर्ट के समक्ष भारत सरकार की दलील को भी उद्धत किया। इसमें 19 अगस्त, 2010 को भारत सरकार ने अपने हलफनामे में कहा था कि याचिकाकर्ता ने विदेशी फर्मों को किसी मामले को सुलझाने की प्रक्रिया में भाग लेने, दस्तावेज तैयार करने और मध्यस्थता की अनुमति नहीं देने की जो बात कही है, उसका प्रतिकूल असर होगा।

ग्लोबल इंडियन लॉयर्स एसोसिएशन की और से पैरवी करते हुए कहा गया कि अधिनियम 1961 कानूनी फार्मों पर लागू नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत वकीलों पर लागू होता है। यह अधिनियम किसी योग्य भारतीय वकील को दोहरी योग्यता लेने से मना नहीं करता। अधिनियम की धारा 24 और 47 के तहत पारस्परिकता सिर्फ नागरिकता पर आधारित है। धारा 29, 30 और 33 के तहत कानून के पेशे की प्रैक्टिस का अर्थ केवल भारतीय कानून की प्रैक्टिस से है। लंदन कोर्ट ऑफ़ इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन की ओर से कहा गया कि इस संगठन को 1922 से कोर्ट कहा जा रहा है। इसे बोलचाल की भाषा में नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में विश्वसनीय मध्यस्थता का बिल्कुल अभाव है। हमारे यहाँ 99 प्रतिशत तदर्थ मध्यस्थता होती है। (लंदन कोर्ट ऑफ़ इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन इंडिया) की स्थापना इस स्थिति तो ठीक करने के लिए हुई थी। लेकिन, यह आर्थिक रूप से सफल नहीं रही। इसलिए इसे बंद कर दिया गया।

सरकार की ओर से 1961 की धारा 49(1)(म) के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए विदेशी वकीलों और विदेशी लॉ-फर्मों के भारत में प्रैक्टिस करने के बारे में नियम बनाने को कहा। यह भी कहा गया कि अगर वह ऐसा नहीं कर पाता है तो फिर केंद्र सरकार को इस बारे नियम बनाने होंगे। उन्होंने कहा कि नियमों की जरूरत है। हम चाहते हैं कि विदेशी वकील यहां आएं, ताकि भारतीय वकीलों को भी अन्य देशों में इस तरह के कार्यों की अनुमति देने से नहीं रोका जा सके। अगर बीसीआई नियम नहीं बनाता है तो केंद्र सरकार यह कार्य करेगी और नियम बनाएगी।

बीसीआई इस मामले में यह कहा कि नया फैसला न तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है न वह राष्ट्रीय हित के विरुद्ध है। विदेशी कीलों और लॉ फर्मों को पारस्परिक आधार पर भारत में विदेशी कानून की प्रैक्टिस करने की अनुमति देने के अपने हालिया फैसले के बारे में बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया से कहा कि विदेशी वकीलों को भारत में एंट्री करने की अनुमति देने वाले नियम बहुत ही सीमित दायरे में काम करेंगे। यह निर्णय भारत में वकालत करने वाले वकीलों को प्रभावित करने वाला नहीं है। बीसीआई ने कहा कि वह देश में वकीलों के हित और कल्याण की रक्षा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बीसीआई ने पूरी बिरादरी से अनुरोध किया कि वे राष्ट्रीय हित में इन नियमों का स्वागत करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर युवाओं में भारी उत्साह

ओबैदुल्लागंज। हनुमान जन्म उत्सव को लेकर युवा में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है 6 अप्रैल को भव्य भगवा यात्रा की तैयारी जोरों पर है इस दौरान गोहरगंज रोड स्थित हनुमान मंदिर से शोभा यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए बस स्टैंड स्थित इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर जाकर समाप्त होगी जन्म उत्सव को लेकर मंदिरों में विशेष तैयारियां विशेष श्रृंगार के साथ विविध अनुष्ठान भी किया जाएगा है इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन गुरुवार 6 अप्रैल सुबह 10-00 बजे से दोपहर 2-00 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन रखा गया है ओबैदुल्लागंज में विशाल भगवा यात्रा 6 अप्रैल को निकालने के लिए ऐतिहासिक तैयारी चल रही है हनुमान जन्मोत्सव यादगार हो इस अवसर पर हनुमान जी की विशाल झांकी निकाली जाएगी, मथुरा वृंदावन से हनुमान जी का स्वरूप नृत्य करते हुऐ शोभायात्रा में साथ चलेंगे , उज्जैन से विशेष आतिशबाजी आएगी जयपुर से आकाशीय रोशनी बुलाई गई है विशाल भव्य शोभायात्रा में शामिल होने पूरे नगर वासी को आमंत्रित किया है

कुटीरों की किस्त अविलंब डाली जाये: अजय टंडन विधायक

दमोह । दमोह विधायक अजय टंडन ने नगर के कई वार्डों में दौरा करके पाया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की अभी भी बहुत लोगों कि किस्त बाकी है वहीं जब अपने कार्यालय में जनता दरबार लगते है उसमें भी आ रही सबसे बड़ी जनता की समस्या जो कि कई हितग्राहियों को आज दिनांक तक किस्त नहीं पहुंची है और हितग्राहियों को बहुत दिक्कत परेशानी झेलना पड़ रही है। वहीं विधायक अजय टंडन ने जिनकी प्रधानमंत्री आवास योजना की जो किस्ते बकाया है उसके लिये जिला प्रशासन और नगर पालिका अधिकारी को चेतावनी देते हुए कहा कि अविलंब हितग्राहियों के खाते में पैसे नहीं डाले गये तो एक जनआंदोलन होगा वहीं नगर पालिका अधिकारी ने विधायक जी को आस्वस्त कराया कि जल्द ही नगर पालिका सभी हितग्राहियों की किस्त जारी करेगी। क्योंकि हितग्राहियों के आवास जल्द से जल्द बन सकें उनकी दिक्कत परेशानी खत्म हो क्योंकि मौसम रात दिन करवट बदल रहा है कभी धूप कभी छॉव इसलिए यह उनका कर्तव्य है कि वह जनता की हर संभव मदद करें क्योंकि भाजपा सरकार सोई है उनका क्या बिगड जायेगा उन्हें जनता की समस्या नहीं दिखती।

महावीर जयंती के अवसर पर 21 सौ दिप जलाकर संगीतमय कार्यक्रम में ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

दमोह जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2622 वी जयंती के अवसर पर दमोह में भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक समिति के द्वारा 1 अप्रैल से लेकर 4 अप्रैल तक विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दमोह के उमा मिस्त्री की तलैया पर 1008 श्री भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन संगीतमय भक्ताम्बर पाठ एवं महाआरती का आयोजन किया गया जिसमे महाआरती करता ब्रह्चारी रोहित जैन पुराना थाना, मीनू जैन विजय श्री आयरन परिवार ने धूमधाम से आरती लेकर आयोजन स्थल पहुँचे और आरती की आरती के पश्चात 2100 दीप जलाकर संगीतमय भक्तांबर का पाठ किया गया फिर 16 पाठ शालाओं के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक बाल नाट्य कार्यक्रमो की प्रस्तुति दी गई इस दौरान बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के लोगो की उपस्थिति रही

राजकुमार खंडेलवाल बने क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति के सदस्य

नर्मदापुरम। व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष राजकुमार खंडेलवाल को रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति का सदस्य मनोनीत किया है। पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के उपमहाप्रबंधक एवं सचिव क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के अनुराग पांडेय द्वारा पत्र जारी किया गया है। श्री खंडेलवाल के उक्त पद पर मनोनीत होने पर व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष राजकुमार खंडेलवाल को रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति का सदस्य मनोनीत होने पर किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र चौकसे वरिष्ठ पत्रकार राजू जमनानी, टेलीकॉम व्यापारी संघ के अध्यक्ष जाकिर खान मनोहर बड़ानी, देवेंद्र गिल्ला, राजेश राठौर, किशोर करैया, उदित द्विवेदी, गोविंद मूलचंदानी, सतीश बड़ानी सहित सभी व्यापारी महासंघ के सदस्य ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

अवैध अतिक्रमण को लेकर नपा की कार्यवाही

शिवपुरी-नगर पालिका क्षेत्र में इन दिनों हो रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका सख्त हो गई है। सूचना मिलते ही नगर पालिका टीम मौका मुआयना करती है और सटीक सूचना के आधार पर निर्माणाधीन अवैध निर्माण को ढहाया जा रहा है। लगातार चल रही नगर पालिका की कार्यवाही के दौरान नगर पालिका सीएमओ केशव सगर के निर्देशन में नपा की टीम छत्री रोड पर पहुंची जहां संबंधित के निर्माण को पहले तो रोका बाद में मौके पर ही नपा की जेसीबी को बुलाकर किए गए अवैध निर्माण को ढहा दिया गया।

बताया गया है कि यहां फ्लोर मिल संचालक लगातार कुछ दिनों से अपने भवन के बाहरी हिस्से में मुख्य रोड़ पर ही दीवार खड़ी कर अवैध रूप से अतिक्रमण कर निर्माण कार्य कर रहा था जिसकी जानकारी लगने पर यह कदम नपा के द्वारा उठाया गया और अवैध अतिक्रमण को धजमींदोज कर अतिक्रामक को भी हिदायत दी गई कि किसी भी प्रकार से अतिक्रमण ना करें। इस अवसर पर नपा सीएमओ केशव सगर ने आमजन को अपने संदेश के माध्यम से कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में किसी भी रूप में अवैध रूप से गली-मोहल्लो अथवा मुख्य चौराहे या अन्य क्षेत्र में अतिक्रमण या अवैध निर्माण किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, ऐसे स्थानों को चिह्नित करते हुए नपा के द्वारा तत्काल कार्यवाही की जाएगी। आगामी समय में अन्य स्थानों को चिह्नित करते हुए फिर से अतिक्रमण विरोधी मुहिम नपा के द्वारा चलाई जाएगी इसे लेकर रूपरेखा तैयार की जा रही है।

दर्जनों बाइक जप्त कर नम्बर डलवाये

शिवपुरी - पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा शहर में अपराध पर अंकुश लगाने की मुहिम के चलते बिना नम्बरों की 70 बाईकों को यातायात थाना प्रभारी रणवीर यादव ने थाने पहुंचाया। दरअसल शहर में बिना नंबरों की दुपहिया बेख़ौफ होकर घूम रही है।जब पुलिस इन्हें पकडती है तो यह जुर्माना भरकर चले जाते है परंतु बाईकों पर नंबर नहीं डलवाते, कई बार शातिर अपराधी बिना नंबरों की बाईकों से शहर में आते है और वारदातों को अंजाम देने के बाद फरार हो जाते है। भले ही यह शातिर अपराधी सीसीटीव्ही में कैद हो जाते है। परंतु बाईकों पर नंबर नहीं होने के चलते यह बचकर भागने में सफल हो जाते है। जिसके चलते पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया के निर्देशन में यातायात प्रभारी ने बिना नंबर की 70 बाईकों को जप्त कर थाने ले गए। इनपर कार्यवाही के साथ साथ तत्काल मौके पर गाड़ी के कागज मंगाकर पैंटर को बुलाकर नंबर डलवाए। जिसके चलते शिवपुरी शहर में हो रहे अपराधों पर अंकुश लग सके।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर कल, अनगढ़ टौरिया मंदिर में होगा भण्डारा

छतरपुर। श्री श्री 1008 श्री अनगढ़ टौरिया मंदिर सिद्ध धाम सिंचाई कालोनी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा जिसकी सम्पूर्ण तैरियां पूर्ण कर ली गई हैं। महंत श्री महावीर दास जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 5 अप्रैल को सुबह 8 बजे से अखण्ड रामायण की बैठकी की जाएगी तथा 6 अप्रैल को बजरंग बली का अभिषेक के साथ हवन पूजन किया जायेगा, साथ ही सुबह 10 बजे से भण्डारा प्रांरभ हो जायेगा। महंत श्री महावीर दास जी महाराज ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से श्री हनुमान जन्मोत्सव में सहभागी होने का आग्रह किया है।

नेस्तनाबूत पत्रकार चौक को पुनः दिया जाए नया स्वरूप

प्रेस क्लब ने नगरपालिका सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। शहर के बस स्टैंड के नजदीक पूर्व में निर्मित किए गए पत्रकार चौक के पुर्ननिर्माण को लेकर जिले के वरिष्ठ पत्रकारों ने नगरपालिका सीएमओ को एक ज्ञापन सौंपकर एकजुटता दिखाई है। सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया को सौंपे गए ज्ञापन में वरिष्ठ पत्रकारों ने कहा है कि राजनैतिक दावपेंचों के मध्य वोटबैंक की इबारत लिखने की गरज से विभिन्न चौराहों को जातिगत, संप्रदायगत एवं वर्गगत आधारों पर विकसित किया गया है। इस व्यवस्था से आने वाले समय में जातियों, संप्रदायों तथा वर्गों के मध्य चौराहों, मार्गों को हथियाने की होड़ तेज होने की संभावना से कतई इंकार नहीं किया जा सकता जो कि सामाजिक समरसता हेतु कदापि उचित नहीं है। इसी कुत्सित राजनीति के चलते अप्रत्यक्ष कारणों की आड़ में पत्रकार चौक को न केवल नेस्तनाबूत कर दिया गया बल्कि वहां मौजूद स्मारक को हटा दिया गया है। ऐसे हालातों में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की घोर उपेक्षा की जा रही है। समाज के संतुलित और तीव्रगामी विकास में सेवाभाव से योगदान देने वाले कलमकारों की भागीदारी को प्रेरणात्मक प्रकाश स्तंभ के रूप में स्थापित पत्रकार चौक जहां समाज को निःस्वार्थ सेवा का संबल देता है, वहीं जान जोखिम में डालकर पत्रकारिता के पावन संकल्प को पूरा करने में जुटे कर्मयोगियों में नूतन शक्ति का संचार भी करता है।

शराब की दुकान नहीं हटी तो होगा बड़ा आंदोलन

गंजबासौदा नया बस स्टैंड महाराणा प्रताप चौक स्थित मस्जिद के समीप की देशी विदेशी अंग्रेजी शराब की दुकान क्षेत्र से नहीं हटती है तो मस्जिद कमेटी, महाराणा प्रताप राजपूत समिति, एवं महिला पुरुष रहवासियों द्वारा अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। उपरोक्त निर्णय मंगलवार को आयोजित बैठक में सभी ने एकमत से लिया। मुस्लिम समाज के अध्यक्ष सिद्दीकी हसन ने बताया कि प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है कि शराब की दुकान के नजदीक 100 मीटर के दायरे में धार्मिक स्थल मस्जिद बनी हुई है। नई आबकारी नीति के तहत उपरोक्त शराब की दुकान को यहां से प्रशासन को स्वत-संज्ञान में लेकर तत्काल हटाया जाना चाहिए था। जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत ना हो और वे बिना कोई परेशानी के मस्जिद आ जा सके। इसके साथ ही महाराणा राजपूत प्रताप राजपूत समिति के अध्यक्ष एडवोकेट अमान सिंह राजपूत ने बताया कि जिला आबकारी अधिकारी विनय रहनसारी से फोन पर चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि शराब ठेकेदार को उपरोक्त दुकान को हटाने को कहा गया है। पर रहवासियों का कहना है कि दुकान हटाने की समय सीमा तय नहीं की जिसके चलते रहवासी असमंजस की स्थिति में है तो वही क्षेत्र के रहवासियों ने प्रशासन से निवेदन किया है कि नई आबकारी नीति का पालन किया जाए और अविलंब दुकान को हटाया जाए। बैठक में स्थानीय रहवासी नितीश श्रीवास्तव, पंकज नेमा, अमन दांगी, जब्बार खान, मुकेश सिंह राजपूत, पुष्कल जैन, प्रमोद सिंह राजपूत आदि मौजूद रहे।

जिले में अवैध मदिरा के 18 प्रकरण पंजीबद्ध

धार, । कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देषन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री विक्रम दीप सागर के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को आबकारी वृत्त सागौर में पीथमपुर एवं बगदून क्षेत्र में होटल ढाबों की सघन चेकिंग कर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 के तहत 11 प्रकरण पंजीबद्ध कर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही में देशी मदिरा प्लेन एवं मसाला 185 पाव, विदेशी मंदिरा स्प्रिंट 130 पाव, विदेशी मदिरा बीयर 10 केन कुल मात्रा 61.70 बल्क लीटर जप्त की गई है। इसी प्रकार धार एवं बदनावर में 10-10 पाव देशी मदिरा प्लेन जप्त कर एक-एक प्रकरण पंजीबद्ध एक-एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आबकारी वृत्त सरदारपुर में 17 पाव देशी मदिरा प्लेन जप्त कर एक प्रकरण पंजीबद्ध कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आबकारी वृत्त कुक्षी में 8 लीटर हाथमट्टी मंदिरा जप्त कर एक प्रकरण पंजीबद्ध कर एक आरोपी, आबकारी वृत्त मनावर में 12 पाव देशी मदिरा प्लेन जप्त कर एक प्रकरण पंजीबद्ध कर एक तथा आबकारी वृत्त गंधवानी में 10 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 20 लीटर ताड़ी जप्त कर 2 प्रकरण पंजीबद्ध कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकार धार जिले अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय परिवहन परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए 244 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं मसाला, 130 पाव विदेशी मदिरा स्प्रिट, 10 केन विदेशी मदिरा बीयर, 20 लीटर ताड़ी एवं 08 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम धारा के अंतर्गत 18 प्रकरण पंजीबद्ध कर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही में जप्त मदिरा का अनुमानित 39 हजार 529 रूपये है।

जनसुनवाई में आए कुल 64 आवेदन

धार, । कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में कुल 64 आवेदन आए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री के एल मीणा , जिला पंचायत सीईओ श्री श्रृंगार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस जनसुनवाई में मवेशी से दुर्घटना होने पर पुत्र की मृत्यु पर गंधवानी के बोंदर सिंह ने आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया। जिस पर उसे रेडक्रॉस सोसायटी से 10 की हजार सहायता राशि दी गई। इसी तरह कुमार गड्डे की मांगू बाई को श्रवण यंत्र प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई में अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने, पट्टा दिए जाने, अतिक्रमण हटवाने , सीमांकन करवाने, अवैध कब्जा हटवाने, भूमि रिकॉर्ड सुधारने , हाई टेंशन लाइन कनेक्शन हटवाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

हमारे कार्यकर्ता अनुभवी इसलिए प्रदेश का संगठन सारे देश में पहचाना जाता है: जामवाल

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने छतरपुर जिले के खजुराहो में किया बैठक को संबोधित

छतरपुर। मध्यप्रदेश का संगठन मजबूत संगठन है। प्रदेश में अनुभवी कार्यकर्ता हैं। यही कारण है कि यह प्रदेश संगठन क्षमता के लिए सारे देश में पहचाना जाता है। हमारे कार्यकर्ता बूथ पर मेहनत करते हैं और हम बूथ को जीतने के साथ ही चुनाव जीत जाते हैं। हमें अभी और बूथ पर काम करना है और बूथ पर कार्यक्रमों को आयोजित कर लोगों को जोड़ना है। पार्टी के हर कार्य को बूथ पर पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने मंगलवार को छतरपुर जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने छतरपुर के खजुराहो में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से शिखर पर पहुंची पार्टी

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जामवाल ने कहा कि हमारे ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की बदौलत आज पार्टी शिखर पर पहुंची है। बूथ से लेकर राज्य और देश की सर्वोच्च इकाई तक हम आगे बढ़ रहे है। इस अनुकूलता में हमारी सबसे छोटी इकाई बूथ सबसे मजबूत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर पार्टी के 22 करणीय कार्यो का अनुपालन जरूरी है।

बूथ स्तर पर योजनाओं की जानकारी दें

श्री जामवाल ने कहा कि केन्द्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। हमें इन लाभार्थियों से निरंतर सम्पर्क करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश के साथ-साथ दुनिया पर नजर रखते हैं और सरकार की योजनाओं के विषय मे निरन्तर आम जनता से संवाद करते हैं। हमें भी उसी प्रकार बूथ स्तर पर केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ तथा उपलब्धियों की जानकारी जनता को देना है। उन्होंने कहा कि लाभार्थी से सम्पर्क अभियान हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

वरिष्ठों का सम्मान हमारा दायित्व

श्री जामवाल ने कहा कि आज हमारा संगठन इस मुकाम पर है, यह वरिष्ठजनों की मेहनत का नतीजा है। जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक पार्टी के इस विराट रूप के पीछे कार्यकर्ताओं की भूमिका है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में गांव-गांव सम्पर्क कर और कांग्रेस सरकार की यातनाएं सहकर पार्टी की सेवा में अपना जीवन न्योछावर किया। ऐसे सभी कार्यकर्ताओं से संपर्क और उनका सम्मान करना हमारा दायित्व है।

बैठक में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व सागर संभाग प्रभारी श्री चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी प्रदेश मंत्री श्रीमती ललिता यादव, जिला प्रभारी श्री अवधेश नायक, जिला अध्यक्ष श्री मलखान सिंह सहित जनप्रतिनिधि,पार्टी के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृषकों से स्लॉट बुक कराने की अपील किसान भाई सुविधानुसार खुद कर सकेंगे उपार्जन केन्द्र का चयन

छतरपुर। रबी उपार्जन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर विक्रय हेतु गेहू, बना, मसूर एवं सरसों उपार्जन के लिये समस्त पंजीकृत किसान बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि किसान भाई इस वर्ष स्वयं अपनी सुविधानुसार एवं पसंद के अनुरूप फसल विक्रय के लिए स्लॉट बुक करने के साथ उपार्जन केन्द्र का भी चयन कर सकते हैं। इस हेतु किसान स्वयं, किसी उपार्जन केन्द्र पर जाकर निःशुल्क स्लॉट बुक करा सकते है तथा किसी भी ऑनलाइन कियोस्क, सीएससी सेन्टर अथवा साईबर कैफे से 10 रूपये शुल्क देकर अपना स्लॉट बुक करा सकते हैं। स्लॉट बुक कराने की तिथि से 07 दिवस के अंदर फसल विक्रय करना होगा। अन्यथा की स्थिति में फसल का विक्रय नहीं होगा। सभी किसान बन्धुओं से अपील की गई है समर्थन मूल्य पर फसल विक्रय करने हेतु जल्द से जल्द स्लॉट बुक कराये ताकि समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त हो सके।

शहडोल-शिक्षा विभाग में अंधेरगर्दी, एक आदमी 3 पद ?

शहडोल । जिले में शिक्षा विभाग जैसे पवित्र विभाग का चारागाह के रूप में जितना अधिक दोहन ,शहडोल जिले में अधिकारी,कर्मचारी करते है, शायद ही किसी अन्य जिले में होता होगा। चाहे जिला परियोजना समन्वयक् (डीपीसी) का कार्यालय हो या जिला शिक्षा अधिकारी का या,सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग का कमोबेश हर जगह एक ही स्थिति और एक ही नारा है ,मौका मिला है, जितना लूट सकते हो लूटो, सब हमारा है । सभी कार्यालयों में अधिकारियो नित नवीन कारनामे देखने सुनने को मिल जाते है। स्वयंभू मुन्नाभैया(एमएलए) की कारगुजारियो से तो आप सभी पहले से परिचित है ही। लेकिन रमसा वाले पांडेय जी भी कुछ कम नही, यह तो ऑल इन वन है।इनके बारे जन चर्चा है की प्रातः इनकी नीद प्रमुख सचिव की कॉल से ही खुलती है।जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में इनका कक्ष इतना गोपनीय है,इनके अतिरिक्त कोई अन्य उस कक्ष में घुसना तो दूर नजर उठा कर देख भी नहीं सकता,लेकिन इनकी चर्चा बाद में फुर्सत से करेंगे।

अभी बात करते है, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी श्री फूल सिंह मारपाची जी की नियुक्ति, व्यक्तित्व और कृतित्व की,इनका मूल पद प्राचार्य उमावि है, एवं इनकी पोस्टिंग शहडोल से लगभग 100 किमी दूर व्योहारी विकासखंड के, उमाँवि मऊ में थी तथा अब उमाँवि बुडवा में है। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्कालीन आयुक्त महोदय की पारखी नजरों ने इन्हे इतनी दूर के स्कूल से से ढूंढ निकाला तथा प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से इन्हे जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यों के लिए,अति उत्तम मानते हुए इन्हे इनकी संस्था के प्राचार्य पद के दायित्यो के साथ-साथ जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल के पदीय दायित्व भी सौंप दिए (आदेशक्र.216 दिनांक 14.03.2022),।

द्रष्टव्य है कि शा उ मा विद्यालय मउ से सीएम राइज विद्यालय होने के बाद इनकी पदस्थापना शा उ मा बुढ़वा हो गयी थी, जिससे इनके पदस्थापना की दूरी लगभग 120 किमी दूर हो गयी है। बिना यह विचार किए की कोई व्यक्ति कैसे, दो सुदूर स्थिति कार्यालयो का संचालन अच्छे से कर पाएगा । जबकि तत्समय,जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय शहडोल में ही इनके समान सामर्थ्य के दो प्राचार्य पदस्थ थे,नजदीकी जेडी ऑफिस में इनसे भी वरिष्ठ प्राचार्य पादस्थ थे तथा प्राचार्य डाइट, डीपीसी और जिला मुख्यालय में स्थित मॉडल उमावि चापा में भी इनके ही समान सामर्थ्य के प्राचार्य कार्यरत थे। जिन्हे जिला शिक्षा अधिकारी का दायित्व दिया जा सकता था। किंतु इन सभी की अनदेखी कर, 100 किमी से भी ज्यादा दूर स्थित विद्यालय के प्राचार्य को, जिला शिक्षा अधिकारी, का प्रभार दिया जाना सर्वथा अनुचित, विवेकहीन तथा अनैतिक आदेश(भाव में या प्रभाव में) कहा जाना उचित था। क्या इस अव्यवहारिक आदेश के लिए तत्कालीन आयुक्त लोक शिक्षण महोदय को उचित कहा जा सकता है ।

अब बात करते है,प्रभारी महोदय की, कुछ तो खास होगा इनमे तभी तो इतनी दूर स्थित दो कार्यालय को एक वर्ष से ज्यादा समय से चला रहे है। सभी कहते है,साहेब होशियार है और दिलदार है। इसलिए आयुक्त लोक शिक्षण के द्वारा ,इनको जिला शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अब किस्मत से डीपीसी का प्रभार भी यह पा जाते है तो इसमें इनका क्या? मार्च का महिना चल रहा है फण्ड भी खत्म करना है , इसलिए इन्होने भी डीपीसी कार्यालय कि कुछ फाइल बिना सीईओ जिला पंचायत को भेजे सीधे फाइल प्रस्तुत करनी शुरू कर दी है द्य(मुन्ना भैया के मार्गदर्शन में) आदमी एक ,प्रभार तीन- तीन कार्यालयों का, जिनके मध्य 100 किमी से भी ज्यादा की दूरी।अब जनता के साथ कैसे न्याय हो । नव नियुक्त माध्यमिक शिक्षक जोइनिंग के लिए भटके तो भटके,साहेब का क्या? पेंशन के लिए शिक्षक परेशान रहे तो रहे इनका क्या?

असल में कार्यालय तो गुप्ता जी चला रहे,शाम को इन्तेजाम भी तो चाहिए उसकी व्यवस्था तो गुप्ता जी के जिम्मे ही है।अब बिना भोग प्रसाद के बेचारो की नियुक्ति का आदेश जारी नही हो पा रहा,लोग गुप्ता जी के इसारो को समझ नही रहे,तो ये किसकी गलती

कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारियों ने किया कुँआ, बावड़ियों और बोरवेल का निरीक्षण

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जीआर ने जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ एवं सीएमओ को बिना मुंडेर व ढंकी हुई बावड़ियों, कुओं तथा खुले बोर के निरीक्षण करने के निर्देश दिए साथ ही चिन्हित कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने खुले कुओं में मुंडेर बनवाने और बोरवेल को तत्काल बंद करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई बावड़ी बिना भराव के बंद है और जीर्णशीर्ण है तो उन्हें खुलवा कर ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे दुर्घटना की कोई संभावना ना रहे। इसी क्रम में जिले के तहसीलदार, एसडीएम एवं अन्य अधिकारियों ने संबंधित क्षेत्र में निरीक्षण किया। साथ कि खुले बोरवेल पाए जाने पर 2 दिन में बंद कराने की समझाइस दी गई। तब संबंधित द्वारा बंद नही कराया जाएगा तो एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की जाएगी।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और करूर वैश्य बैंक ने किया कॉर्पोरेट एजेंसी टाई-अप

चेन्नई , एजेंसी। देश के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने करूर वैश्य बैंक के साथ एक कॉर्पोरेट एजेंसी टाई-अप किया है। चेन्नई मुख्यालय वाला करूर वैश्य बैंक 100 से अधिक वर्षों की परंपरा को साथ लेकर चलने वाले बैंक है। इस रणनीतिक साझेदारी के पीछे का उद्देश्य एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के व्यापक बीमा समाधान और सेवाओं को भारत में बैंक शाखाओं में बैंक ग्राहकों के लिए आसानी से सुलभ बनाना है। समझौते पर श्री संतोषकुमार एम.आर., हेड-थर्ड पार्टी प्रोडक्ट, करूर वैश्य बैंक और श्री गणेश वी, रीजनल डायरेक्टर - आंध्र प्रदेश, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर श्री अभिजीत गुलनिकर, प्रेसिडेंट-बिजनेस स्ट्रेटेजी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस; सुश्री स्वेती शेट्टी, ईवीपी और चीफ ऑफ इंस्टीट्यूशनल एलायंस (अधिग्रहण) और सीएसजी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, श्री अनुराग मिश्रा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट - इंस्टीट्यूशनल एलायंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस; सुश्री स्वाति सिंह, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट - इंस्टीट्यूशनल एलायंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और अन्य सम्मानित गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।देश भर में 799 से अधिक करूर वैश्य बैंक शाखाओं के साथ, कॉर्पोरेट एजेंसी टाई-अप करूर वैश्य बैंक के ग्राहकों को विभिन्न बीमा समाधान प्रदान करेगा। इस टाई-अप के माध्यम से एसबीआई लाइफ का लक्ष्य ग्राहकों की सुरक्षा, बचत, पेंशन, क्रेडिट लाइफ और स्वास्थ्य समाधानों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है। एसबीआई लाइफ अपने विस्तृत रेंज के इंश्योरेंस सॉल्यूशंस के माध्यम से ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करेगा और इस तरह बीमा समाधानों तक ग्राहकों की पहुंच और आसान हो जाएगी।यह सहयोग न केवल करूर वैश्य बैंक के ग्राहकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि इस तरह उन्हें एसबीआई लाइफ की मूल्य वर्धित सेवाओं का लाभ उठाने की सुविधा भी मिलेगी। ये ऐसी सेवाएं हैं, जिन्हें ग्राहकों की सुविधा के लिए डिजिटल रूप से पेश किया जा रहा है।

'उद्यमिता एक सामाजिक आंदोलन' के विषय पर आईआईटी जोधपुर और जेसीकेआईएफ का साझा सम्मेलन

जोधपुर, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (जेसीकेआईएफ)मिलकर आईआईटी जोधपुर परिसर स्थित जोधपुर क्लब में 5 से 7 अप्रैल 2023 तक 'उद्यमिता एक सामाजिक आंदोलन' विषय पर एक सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं।इसमें अन्य साझेदार सामाजिक उद्यम कंटैक्ट बेस,एसेक्स यूनिवर्सिटी के एसेक्स बिजनेस स्कूल,मेहरानगढ़ संग्रहालय ट्रस्ट और इंटरनेशनल आंतरप्रेन्योरशिप फोरम शामिल हैं।यह सम्मेलन उद्यमिता की विरासत बचाने और बुनियादी विकास के लिए प्रौद्योगिकी और नवीन व्यापार मॉडल अपनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। सम्मेलन में इस बात पर गहन विमर्श किया जाएगा कि कैसे टेक्नोलॉजी और इनोवेशन से सामाजिक समता के मॉडल बनाएं जो भारत की समृद्ध और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करें।यह विरासत हस्तकला, लोककलाएं, स्थानीय खान पान त्यौहार और स्वदेशी नृत्य के विभिन्न रूपों की हो सकती है।यह सम्मेलन भारतीय लोकाचार और इसकी अनमोल विरासत के मद्देनजर अधिक लाभदायक उद्यमिता के लक्ष्य से विभिन्न संस्थानों से नागरिकों को जोड़ने का अभूतपूर्व प्रयास है। इसमें सामाजिक उद्यमियों, नीतिनिर्माताओं, एंजेल इन्वेस्टरों,व्यापार के रणनीतिकारों,शिक्षाविदों,वैश्विक सांस्कृतिक दूतों, जोधपुर के नागरिकों और महाराजगज सिंह द्वितीय के साथ आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो.शांतनु चौधरी,एसेक्स यूनिवर्सिटी,यू.के.में फैकल्टी डॉ.जय मित्रा,डॉ.जी.एस.टोटेजा, सीईओ, जेसीकेआईएफ और कॉन्टैक्ट बेस के संस्थापक और सीईओ,श्री अमिताभ भट्टाचार्य और अन्य गणमान्य वक्ताओं की भागीदारी होगी।

प्रतिलिपि लेखक अब एक महीने में करते हैं 63 लाख से अधिक की कमाई

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन स्टोरीटेलिंग प्लेटफॉर्म में से एक प्रतिलिपि ने घोषणा की है कि प्रतिलिपि लेखकों ने फरवरी 2023 के महीने में 63 लाख रुपये से अधिक की कमाई की है। पिछ्ले साल की तुलना में, हर महीने लेखकों के साथ साझा की जाने वाली कुल कमाई 38.5 लाख से बढ़कर 63 लाख हो गई है, फरवरी 2023 तक कमाई शुरू करने वाले लेखकों की कुल संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है। प्रतिलिपि ने जुलाई 2021 में अपने मोनिटाइजेशन फीचर को लॉन्च किया, जिसने प्लेटफॉर्म पर घरेलू लेखकों को अपने लेखन के माध्यम से कमाई करने में सक्षम बनाया। प्रतिलिपि ने ऐप में माइक्रोटिपिंग, सुपरफैन सब्सक्रिप्शन प्रोग्राम और प्रीमियम सब्सक्रिप्शन प्रोग्राम जैसे कई फीचर्स पेश किए, ताकि लेखकों को कमाई करने में सक्षम बनाया जा सके, उन्हें भारत में उद्योग में सबसे अधिक कमाई की हिस्सेदारी प्रदान की जा सके, हाल ही में, उनकी कहानियों को बिभिन्न प्रारूपों में बदलने की स्वीकृति लेकर, जिसमें प्रतिलिपि के लोकप्रिय धारावाहिकों को मल्टीफॉर्मेट में परिवर्तित किया जाता है, जैसे -वेब सीरीज, फिल्में, ऑडियो बुक्स। के माध्यम से प्रतिलिपि अपने घरेलू और स्वदेशी लेखकों को बड़े और व्यापक दर्शकों /पाठकों से जोड़ने में और उनके कार्यों के लिए अग्रिम शुल्क प्राप्त करने में सक्षम हो गया है। प्रतिलिपि आने वाले भविष्य में नई सुविधाओं के साथ कमाई के नए रास्ते पेश करेगी। कनक सिंह, प्रतिलिपि पर हिंदी लेखिका, जो अपने लेखन से कमाई करती हैं।

विधानसभा भितरवार ग्राम पाटई बिंदेश्वरी माता मंदिर पर विशाल दंगल मेला का आयोजन

विधानसभा भितरवार ग्राम पाटई बिंदेश्वरी माता मंदिर पर विशाल दंगल मेला का आयोजन किया ! मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनसेवक श्री मोहन सिंह राठौड़ जी सम्मिलित हुए एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए पहलवानों से परिचय प्राप्त कर दंगल का शुभारंभ कराया। तथा मंचासीन विशिष्ट अतिथियों की गरिमामाई उपस्थिति में पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनसेवक श्री मोहन सिंह राठौड़ जी ने विजेता खिलाडि़यों को पुरुस्कृत करते हुए हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की सफलताओं हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्री दिलीप रावत जी(जनपद अध्यक्ष), श्री श्रीपत आदिवासी जी (जिला पचायत सदस्य), श्री सुल्तान सिंह आदिवासी जी (पाटई सरपंच), श्री हरिओम तोमर (बड़कागाव सरपंच), श्री मुकेश बघेल जी (करही सरपंच), श्री कोक सिंह परिहार जी (आरोन सरपंच), श्री महेंद्र सिंह तोमर जी (पूर्व सरपंच), श्री देवेंद्र सिंह तोमर जी(उपसरपंच पाटई), श्री नरेश रावत जी, श्री भरत कोटिया जी, श्री मनीराम धाकड़ जी एवं समस्त कार्यकर्ता, जनसेवकसाथी एवं ग्रामीणजन सम्मिलित हुए !

इंडियनऑयल ने वित्त वर्ष 2022-23 में शानदार परिचालन प्रदर्शन

नई दिल्ली । इंडियनऑयल ने हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 में शानदार परिचालन प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, इंडियनऑयल के अध्यक्ष एस एम वैद्य ने कहा कि÷चुनौतीपूर्ण भू-राजनीतिक स्थितियों के बावजूद, हमारी टीमों की दृढ़ता और हमारे सामने आने वाली हर चुनौती से ऊपर उठने का दृढ़ संकल्प उल्लेखनीय रहा। उत्कृष्टता के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता के अच्छे परिणाम आये हैं, और इंडियनऑयल ने परिचालन के मोर्चे पर चमकना जारी रखा है।÷

जैसा कि एस एम वैद्य, अध्यक्ष, इंडियनऑयल द्वारा साझा किया गया, इंडियनऑयल रिफाइनरियों ने पिछ्ले वर्ष के 67.67 मिलियन मीट्रिक टन की तुलना में 72.4 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक का अब तक का सर्वाधिक थ्रूपुट देखा। इंडियनऑयल की तरल पाइपलाइनों का उत्पादन 2021-22 में लगभग 83.25 एमएमटी से बढ़कर 2022-23 के दौरान अब तक के उच्चतम 94.7 एमएमटी हो गया। इंडियनऑयल ने वर्ष के दौरान लगभग 2,450 किलोमीटर का अब तक का सर्वाधिक पाइपलाइन विस्तार भी दर्ज किया।

मार्केटिंग के मोर्चे पर, इंडियनऑयल ने साल-दर-साल लगभग 14त्न की पीओएल बिक्री वृद्धि हासिल की है। इसकी पेट्रोलियम उत्पादों की बाजार हिस्सेदारी 2021-22 में 40.8त्न से बढ़कर 2022-23 में 42.9त्न हो गई। पेट्रोल की बिक्री में 19.2त्न से अधिक की वृद्धि हुई है, हमारी डीजल की बिक्री में लगभग 19.3त्न की वृद्धि हुई है, और हमारी एलपीजी की बिक्री में लगभग 1त्न की वृद्धि हुई है। इंडियनऑयल के स्नेहक ब्रांड सर्वो ने 2021-22 के दौरान 24त्न की शानदार वृद्धि और 2020-21 में 26त्न की वृद्धि के बाद 2022-23 के दौरान 9त्न की वृद्धि के साथ 701 ञ्जरूञ्ज की अपनी उच्चतम बिक्री मात्रा दर्ज की। यह 2020-21 में 24.9त्न से 2022-23 में 27.1त्न तक बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि परिलक्षित करता है, इस प्रकार भारत में सभी ल्यूब सेगमेंट में सर्वो के गढ़ को मजबूत करता है।

मार्केटिंग नेटवर्क का विस्तार भी इंडियनऑयल के लिए एक दृढ़ फोकस क्षेत्र रहा है। 2022-23 के दौरान, कंपनी ने 1784 आउटलेट चालू किए, जो पीएसयू की कमीशनिंग का लगभग 46त्न है। इंडियनऑयल फ्यूल स्टेशन नेटवर्क के अब देश भर में फैले हुए 36,285 आउटलेट हैं।

विंज़ो ने नया ब्रैंड कैंपेन लॉन्च किया खिलाड़ी हो खिलाड़ी चाहिए

नई दिल्ली । भारत के सबसे बड़े घरेलू गेमिंग प्लेटफॉर्म विंज़ो ने अपने ऐप की सोशल गेमिंग क्षमताओं को उभारते हुए नया ब्रैंड कैंपेन लॉन्च किया है। इस गेम का शीर्षक खिलाड़ी हो खिलाड़ी चाहिए (क्या आप गेम के खिलाड़ी हैं? क्या आपको खेलने के लिए विपक्षी खिलाड़ी की ज़रूरत है?) है, यह कैंपेन आईपीएल 2023 के मौजूदा सीजन में शुरू किया गया।इस कैंपेन में इस बात को मजाकिया लहजे में उभारा गया है कि किस तरह भारत में लोग किसी दमदार विपक्षी खिलाड़ी के पास गेम खेलना चाहते हैं, लेकिन अक्सर वह उन्हें मिल नहीं पाता। इस कैंपेन से विंज़ो ने प्रस्ताव रखा खिलाड़ी होखिलाड़ी चाहिए, तो आओ विंज़ो पर और खेलो 10 करोड़ खिलाड़ियों के साथ (क्या आप गेमप्लेयर हैं? क्या आपको विपक्षी टीम के खिलाड़ी की जरूरत है? तो विंज़ो पर आइए और 10 करोड़ से ज्यादा गेम प्लेयर्स के साथ खेलिए) विंज़ो का लक्ष्य 10 करोड़ से ज्यादा गेम यूजर्स को गेमप्ले तक पहुंच प्रदान करने की अपनी अनूठी पेशकश के बारे में जागरूक करना है। यूजर्स यहां कई श्रेणियों, जैसे फैंटेंसी, आर्केड, रेसिंग, कैजुअल, स्पोटर्स, बोर्ड गेम्स और एक्शन गेम्स में 100 से ज्यादा रियल गेम्स में से अपना पसंदीदा गेम्स चुन सकते हैं।विंज़ो ने आईपीएल के पहले मैच के दौरान इस कैंपेन से जुड़ी दो फिल्में लॉन्च की। कंपनी की योजना कई और ऐड फिल्म लॉन्च कर इस कैंपेन का विस्तार करने की है।विंज़ो के सह-संस्थापक पावन नंदा ने कहा, ÷ऑनलाइन गेमिंग मनोरंजन के परंपरागत रूपों से कहीं अधिक दिलचस्प और सक्रिय किस्म का मनोरंजन है। कोविड के दौरान उपभोक्ताओं को मनोरंजन के वर्चुअल सोशल इंटरएक्टिव मोड्स से अपना मन बहलाने की आदत पड़ गई थी। लोगों में ऑनलाइन गेम्स की लोकप्रियता काफी ताकतवर ढंग से उभरी है। इस प्लेटफॉर्म पर वह बार-बार अपना मन बहलाने आते हैं। विंज़ो के 10 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। 100 से ज्यादा गेम्स में विंज़ो ऐप पर काफी बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद हैं। विंज़ो पर एलॉगरिथम पर आधारित स्किल मैचिंग सिस्टम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि यूजर्स को उन लोगों के साथ गेम्स खेलने का मौका मिले, जिनके पास उन्हीं के जैसी स्किल्स हो।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिज़ास्टर रेज़िलियंट इन्फ्रास्ट्रक्चर रेज़िलियंट एवं समावेशी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के तरीकों पर केंद्रित होगी

नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वीडियो संदेश के साथ इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया

नई दिल्ली एजेंसी। कोलिशन फॉर डिज़ास्टर रेज़िलियंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) ने अपने फ्लैगशिप सम्मेलन के पाँचवें संस्करण, आईसीडीआरआई 2023 का उद्घाटन पैलेस, नई दिल्ली, भारत में किया। आईसीडीआरआई 2023 ऐसे समाधान पेश करने पर केंद्रित है, जो समुदायों एवं लोगों को आवश्यक सेवाओं की निरंतर आपूर्ति बनाए रखने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में रेज़िलियन्सलेकर आएंगे। आपदाओं और जलवायु के चरम पर पहुँचने के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए यह बहुत आवश्यक होता जा रहा है।

इस सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ''इन्फ्रास्ट्रक्चर से केवल रिटर्न ही नहीं मिलना चाहिए, बल्कि पहुँच और रेज़िलियन्स मिलना भी जरूरी है। इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐसा होना चाहिए, जिसमें कोई भी पीछे न छूट जाए, बल्कि संकट के वक्त भी लोगों को सेवाएं मिलती रहें। इसलिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की जरूरत है। इसका तरीका पिछली आपदाओं का अध्ययन कर उनसे सीख लेना है।'' माननीय प्रधानमंत्री जी ने आगे कहा, ''सीडीआरआई की कुछ पहलों में पहले से समावेशी दृष्टिकोण प्रदर्शित हो रहा है। द इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर रेज़िलियंट आईलैंड स्टेट्स इनीशिएटिव या आईरिस से अनेक द्वीप राष्टों को लाभ मिल रहा है। इन पहलों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध वित्तीय संसाधनों का होना जरूरी है। पिछ्ले साल 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के इन्फ्रा रेज़िलियंस एक्सलरेटर फंड की घोषणा की गई थी, जिसके प्रति विकासशील देशों में काफी ज्यादा रुचि दर्ज हुई। मुझे विश्वास है कि आईसीडीआरआई 2023 में होने वाली वार्ता से एक ज्यादा रेज़िलियंटविश्व बनाने के हम सभी के उद्देश्य को पूरा करने का मार्ग हमें मिलेगा।''

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन की उत्पत्ति एक वैश्विक विषय है, इसलिए इसके समाधान और नियंत्रण भी वैश्विक हैं। ये प्रयास तभी सफल हो सकेंगे, जब एक प्रतिक्रियाशील नीति, योजना व शासन द्वारा अलग-अलग देशों और पूरे विश्व के प्रयासों को एक दिशा में लाया जाए। बांग्लादेश जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने के लिए क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर किसी भी अभियान में शामिल होने के लिए तैयार है। मैं रेज़िलियंट इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं जलवायु परिवर्तन को कम करने के साझा उद्देश्य के लिए सामंजस्यपूर्ण वैश्विक प्रयासों का आह्वान करती हूँ।''

सैमसंग ने भारतीय युवाओं में इनोवेटिव सोच वाली मानसिकता विकसित करने के लिए राष्ट्रीय इनोवेशन प्रतियोगिता सॉल्व फॉर टुमारो का दूसरा संस्करण किया लॉन्च

आईआईटी दिल्ली और एमईआईटीवाई स्टार्टअप हब के साथ की साझेदारी, शीर्ष तीन विजेता टीमों को मिलेगी 1.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग इंडिया ने शुरू हुई अपनी राष्ट्रीय शैक्षणिक और इनोवेटिव प्रतियोगिता सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो के दूसरे संस्करण के लिए मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के स्टार्टअप हब और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, आईआईटी दिल्ली के साथ भागीदारी की है। सॉल्व फॉर टुमारो के साथ, सैमसंग का लक्ष्य देश के युवाओं के बीच इनोवेटिव सोच और समस्या का समाधान करने वाली संस्कृति का विकास करना है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो के दूसरे संस्करण का उद्घाटन श्री अल्केश कुमार शर्मा, सचिव, मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी और श्री जोंगबम पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया।

भारत के सबसे बडे इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड का प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम इनोवेटिव समाधानों की शक्ति और जीवन को बदलने की उनकी क्षमता को पहचानता है, एक मजबूत सामाजिक प्रभाव डालता है और सैमसग के को और मजबूत करता है। 2022 में आयोजित सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो के पहले संस्करण में पूरे देश से 18,000 से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया था। पहले संस्करण के शीर्ष तीन विजेता टीम में से दो ने अपनी कंपनी शुरू कर ली है जबकि एक ऐसा करने की प्रक्रिया में है।

इस साल, भारत में 16 से 22 वर्ष का कोई भी युवा अपने इन्नोवेटिव टेक-इनेबल्ड आइडिया को भेजकर कार्यक्रम में भाग ले सकता है, जो लोगों के जीवन को बदलेगा। आइडिया एजुकेशन एंड लर्निंग, एनवायरमेंट एंड सस्टैनेबिलिटी, हेल्थ एंड वेलनेस और डायवर्सिटी एंड इनक्लूजन विषयों पर आधारित होने चाहिए। शीर्ष तीन टीमें अपने आइडिया को मूर्त रूप देने के लिए 1.5 करोड रुपए की राशि जीतेंगी जबकि शीर्ष 30 और शीर्ष 10 में पहुंचने वाले अन्य प्रतिभागियों को कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में पुरस्कृत किया जाएगा।

इन टीमों को सैमसंग इंडिया ऑफिस, उसके आरएंडडी सेंटर्स, डिजाइन सेंटर, और बेंगलुरु में सैमसंग ओपेरा हाउस का दौरा करने का भी अवसर मिलेगा, जहां वे युवा सैमसंग कर्मचारियों और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे।

शीर्ष 10 टीमों को फाइनल राउंड से पहले अपने प्रोटोटाइम को और बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक को 100,000 रुपए की अतिरिक्त मदद हासिल होगी। इनका युवा सैमसंग कर्मचारियों द्वारा मार्गदर्शन किया जाएगा जो उन्हें टेक, डिजाइन, मार्केटिंग और पॉलिसी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मदद करेंगे। वार्षिक कार्यक्रम का समापन तीन राष्ट्रीय विजेताओं की घोषणा के साथ्ञ होगा, जिन्हें 1.5 करोड रुपए की पुरस्कार राशि और रोमांचक सैमसंग उत्पादों को जीतने का मौका मिलेगा। एमईआईटीवाई के सचिव श्री अलकेश कुमार शर्मा ने कहा, भारत सरकार का दृष्टिकोण देश में नवाचार और उद्यमिता के एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है, और युवा इसके केंद्र में हैं।

हिमालया बेबीकेयर ने बैंगलुरू के हवाई अड्डे पर 150वां बेबी फीडिंग रूम बनाया

सफ़र करने वाली माताओं को सहायता मिलेगी

बैंगलुरू, एजेंसी। हर घर में तंदुरुस्ती, हर दिल में ख़ुशी लाने की जिम्मेदारी को लेते हुए,भारत के जाने-माने ब्रांड हिमालया वैलनेस कंपनी ने सफ़र करने वाली माताओं को आराम पहुँचाने के इरादे को और भी मजबूत कर लिया है, जिसके तहत8 मार्च 2023 को हिमालया बेबीकेयर के 150वें बेबी फीडिंग रूम का उद्घाटन केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे टर्मिनल पर हवाई अड्डे के अधिकारियों और हिमालया बेबीकेयर टीम की उपस्थिति में किया गया।इसके निर्माण के बाद हिमालया ने 150 से भी अधिक बेबी फीडिंग रूम प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन तथा कई अस्पतालों में बनालिए हैं, जिससे रोज हज़ारो माताओं को फ़ायदा मिल रहा है।

हिमालया का ही एक हिस्सा, हिमालय बेबी केअर छोटे बच्चों की देखभाल के लिए ऐसे उत्पाद बनाता है, जो शिशुओं के लिए कोमल और सुरक्षित होते हैं।हिमालया ने हमेशा से बच्चों और माताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।पहला बेबी फीडिंग रूम, एक ऐसा साफ़ और आरामदायक स्थान जहाँ माताएं अपने बच्चों को निजता के साथ स्तनपान करा सकें, वर्ष 2012 में बीएलआर हवाई अड्डे पर बनाया गया।

यह पहल माताओं को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए कंपनी के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है, जिससे ज्यादा से ज्यादा माताएं अपने बच्चों को स्तनपान करा सकें।हिमालया बेबीकेयर ने बेबी फीडिंग रूम कई बड़े शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बैंगलुरू, हैदराबाद, लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, गुवाहाटी, मैंगलोर, त्रिवेंद्रम, इंदौर, कोयम्बटूर, शिरडी, नागपुर, पुणे, भोपाल, कन्नूर, कालीकट और त्रिची आदि में बनाए हैं।

बेबी फीडिंग रूम के फायदे के बारे में बताते हुए, श्री चक्रवर्ती एन.वी., बिजनेस हेड- बेबीकेयर, हिमालया वैलनेस कंपनी ने कहा कि, हिमालया हमेशा से ही स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए मज़बूत और सक्षम समाज बनाने में विश्वास रखता है।हम उन सारी परेशानियों को समझते हैं, जिनका सामना शिशुओं के साथ सफ़र करती माताओं को करना पड़ता है।

साक्षात्कार-संजय सक्सेना

सरकार चीजों को दर्शनीय बनाने में भरोसा करती है। बाजरे को 'श्री अन्न' कह देना ही बड़ी उपलब्धि हो जाती है। 'श्री अन्न' भी नायक चुनकर उसे भुनाने की रणनीति का हिस्सा भर बन कर तो नहीं रह जाएगा?

- श्री अन्न नाम तो पहले से था। दक्षिण में किसी भी तरह के अन्न को श्री अन्न कहते हैं। हमारे यहां मोटा अनाज नहीं कहते थे। यह चलन तो 1962 के बाद आया है। उसके पहले कोई गेहूं की चर्चा नहीं करता था। इसे गरीबों का अनाज कहने वाला कौन था? गेहूं का बाजार बनाने में हम इतना गिरे कि मोटा अनाज को गरीबों का अनाज बता दिया। ये कहने वाले हम नहीं थे, कोई और लोग थे। आज की तारीख में हम दुनिया का चालीस फीसद 'मिलेट्स' पैदा करते हैं। बाजरे की मात्रा ज्यादा है। आप बर्फ से लेकर पहाड़ से लेकर मरुस्थल तक चले जाइए, मोटा अनाज सब जगह पैदा होता है। बाकी फसलें नहीं होतीं। ये चीजें हमारे लिए अहम हैं। आज की तारीख में बाजरा ही सबसे ज्यादा है। रागी आपके पास नहीं, कोदो आपके पास नहीं। जगनी तो आदिवासी क्षेत्रों के अलावा कोई पहचान नहीं पाएगा कि है क्या? चीजें हैं तो उसका प्रचार करना होगा। अभी लोग खुद पैदा करते हैं खाने लायक। मैंने अपने खेत में रागी उपजाई तो खरीदार नहीं मिला। एक समय वो था और आज रागी ढाई सौ ग्राम तौल कर मिल रही। यह देखने की नहीं पूरी तरह अपनाने की बात होगी। लोग समझ रहे हैं।

गेहूं कोई और पैदा करता है तो दलिया कोई और बनाता है। क्या किसानों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं हो सकती कि खाद्य-प्रसंस्करण का काम खुद कर सकें?

- इसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभारी हूं। उन्होंने देखा कि हमारा सिर्फ विभाग था। मंत्रालय बनाने का काम प्रधानमंत्री ने किया। प्रधानमंत्री ने किसान संपदा योजना इसी भावना से शुरू की। आज के समय में यह हमारी सबसे लोकप्रिय योजना है। 'यूनिट स्कीम' का लाभ हजार से ज्यादा लोग ले चुके हैं। 'मेगा फूड पार्क' योजना की विफलता और कमजोरियों को देख कर यह शुरू हुई। फिर प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्यम योजना शुरू हुई। अभी 24 लाख छोटे खाद्य-प्रसंस्करण खंड काम कर रहे हैं। यह सौ फीसद असंगठित क्षेत्र है। कोई घर में पापड़ बना रहा है, अचार बना रहा है। इसलिए एफपीयू बन गए। बाद में कहा गया कि जो भी व्यक्ति छोटा उद्यमी है वो दस लाख का कर्ज लेगा तो उसे पैंतीस फीसद सबसिडी मिलेगी। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि हम बाजार बनाने के लिए मंच दें। नाफेड जैसी संस्था आगे आए कि कम से कम उन्हें बुनियाद मिलेगी, उसके बाद वो आनलाइन जाएं, दुनिया में कोई सीधे लेना चाहे तो नाफेड से करार का कोई बंधन नहीं। उससे बेहतर कीमत पर अगर समूह से सीधे कोई लेता है
- हमें अपनी गुणवत्ता का बाजार बनाना होगा। फिर हमने खाद्य-प्रसंस्करण में काम करने वाली कंपनियों की सूची देखी। जब मैंने सूची मांगी तो 27 से शुरू हुई और बमुश्किल 103 पर पहुंच पाई। तुरंता खाद्य से लेकर जैविक आहार के लिए हमने काम शुरू किया। अब हम बजट के भरोसे नहीं हैं। पैसा खत्म होने पर वैकल्पिक स्थिति बनाई है। 'मिलेट' उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजना में 30 प्रस्तावों को अनुमोदित किया है। 'मिलेट' को दस राज्यों के 19 जिलों में एक जिला एक उत्पाद ओडीओपी बनाया गया है।

शहरों में एक तरफ बड़ी आबादी पीने के पानी के संकट से जूझ रही तो एक बड़ा तबका बगीचे से लेकर कार साफ करने में उसका इस्तेमाल करता है। पीने के पानी के संकट से लेकर उसकी इस बर्बादी पर आपकी क्या योजना है?

- मैं हमेशा कहता हूं कि निजी तौर पर जितना पानी हम साल भर में इस्तेमाल करते हैं, उतना जमीन में डाल दें तो हालात बदल जाएंगे। मैंने नौजवानों से कहा, आपके पास जमीन नहीं है, ट्यूबवेल मर गए हैं, हैंडपंप स्मारक बने हैं। उन्हें खोल कर आप 'रिचार्जिंग पिट' की तरह काम कर सकते हैं। गांवों में हम प्रति व्यक्ति 55 लीटर पानी दे रहे हैं। पांच का परिवार है तो पौने तीन सौ लीटर। उसमें से पचास लीटर 'ग्रे वाटर' बनाकर चौबीस घंटे में उसे फेंक देना है। पांच हजार की आबादी का गांव या उससे ज्यादा का होगा तो आप मान कर चलिए कि आपको तकनीकी रूप से जाना पड़ेगा। अन्यथा देसी तरीके से उसका उपयोग कर सकते हैं जो अभी शुरू हुई है। 'ग्रे वाटर' का मकसद है कि हम एक जगह पर गांव का पानी ले जाएं। चिन्मय मिशन ने कुंभ मेले में इसका इस्तेमाल किया था। इसके लिए सिर्फ हम सबकी सहमति की जरूरत है। उससे ऊपर जनसंख्या होगी तो हम जो शहरों का हाल देख रहे हैं, 'एसटीपी प्लांट' लगाए बगैर काम नहीं हो सकता है। सबसे बड़ा 'एसटीपी प्लांट' दिल्ली में बनकर तैयार है। हम ये दावा कर सकते हैं कि दिल्ली से लेकर मथुरा के बीच में यमुना साफ रहेगी उस संयंत्र के शुरू होने के बाद। 'ग्रे वाटर मैनेजमेंट' हो या 'कैच द रेन' दोनों पर सरकार का पूरा ध्यान है।

देश में जलस्त्रोतों का अतिक्रमण बड़ा मुद्दा है। इसके लिए सरकार की क्या रणनीति है?

- सारे जलस्त्रोतों की जियोट्रैकिंग हो चुकी है। पानी राज्य का विषय है। हमने निशानदेही करके भेज दी कि आपके जलस्त्रोत हैं जो पुराने थे। आज की स्थिति ये है, अब आप तय कीजिए कि इसे अतिक्रमण मुक्त कैसे करवाना है आपको। करना राज्य को है। जलजीवन मिशन भी राज्य सरकार का काम नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री ने किया। यह भी संदेश के रूप में जाना चाहिए कि राज्यों को अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी। कमलनाथ जी ने प्रधानमंत्री आवास वापस कर दिए, क्योंकि उसमें प्रधानमंत्री का नाम था। जलजीवन मिशन को नुकसान पहुंचाया कि प्रधानमंत्री को श्रेय मिलेगा। सरकार अगर पैसा दे रही थी तो वापस कर दिया कि हम इसमें अंशदान नहीं कर सकते। यह राज्य-केंद्र संबंधों को ठेंगा दिखाने की कोशिश है। हम अपने श्रेय के कारण देश के कमजोर तबके का नुकसान कर दें या अपनी जिम्मेदारी से हट जाएं तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

पानी की गुणवत्ता नियंत्रित करने के लिए कितने काम हुए हैं?

- सबसे अहम यह है कि गांव के स्तर पर पानी की समिति बनाई गई है। इनमें 50 फीसद महिलाओं की संख्या अनिवार्य है। इसके साथ ही सभी आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को जल जीवन मिशन की छतरी के अंदर ले आया गया है। अब देश का कोई भी नागरिक आर्सेनिक और फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए मजबूर नहीं है।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 645 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 05/04/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की रक्षा विहार योजना स्थित भूखण्ड क्रं.222 सेक्टर बी आवंटी कर्नल वी.के. त्यागी आत्मज बी.एस. त्यागी के नाम पर आवंटित है। आवंटी कर्नल का स्वर्गवास दिनांक 10.05.2021 को हो जाने के कारण उनके वारिसों में पत्नी वीना त्यागी पुत्रियों मिंलन त्यागी एवं हिमानी हबलानी द्वारा आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न कर भूखण्ड का नामांतरण सभी वारिसों के संयुक्त नामों पर करने का निवेदन किया है।

यदि उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

सुन्दर काण्ड का आयोजन किया गया

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ के द्वारा लगातार तीन वर्षों से हनुमान जयंती मनकामेश्वर हनुमान मंदिर जिला अस्पताल के अंदर मैं आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा 1008 पाठ आयोजन किया गया है एवं हवन पूजन भंडारा समय 3 निश्चित किया गया जिला अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी युवा अध्यक्ष सिद्धांत मिश्रा नगर अध्यक्ष नंदू शर्मा जिला उपाध्यक्ष शिव शंकर मिश्रा सुरेंद्र शर्मा अभिषेक तिवारी एवं समस्त मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ की टीम के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन जय श्री राम जय हनुमान 6 अप्रैल 2023 जिला अस्पताल के अंदर मनकामेश्वर हनुमान मंदिर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा

25 अप्रैल से होगी कालेज की परीक्षायें

छिंदवाड़ा । शिक्षा विभाग के निर्देषानुसार एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पी.आर. चन्देलकर के मार्गदर्शन में स्वशासी मुख्य परीक्षा प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा निम्नांकित तिथियों से प्रारंभ हो रही है। समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि समय-सारणी अनुसार निर्धारित तिथियों में महाविद्यालय में परीक्षा देने अनिवार्य रूप से उपस्थित होंवे। विद्यार्थी समय-सारणी ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से या महाविद्यालय के सूचना पटल से प्राप्त कर सकते है।स्नातक तृतीय वर्ष 25 अप्रैल 2023 से प्रारंभ, 2 स्नातक प्रथम वर्ष 16 मई 2023 से प्रारंभ स्नातक द्वितीय वर्ष 23 मई 2023 से प्रारंभ, स्नातकोत्तर द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर 1 जून 2023 से प्रारंभ

गृह मंत्री से मिली भाजपा नेत्री प्रीति तिवारी

अमरवाड़ा। नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति नितिन तिवारी ने भोपाल प्रवास के दौरान मध्य प्रदेश शासन के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्र प्रभारी मंत्री कमल पटेल एवं मुख्यमंत्री निवास के विशेष अधिकारी दीपेश जी से मिलकर नगर विकास योजनाओं पर चर्चा की और शहर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।भोपाल प्रवास के दौरान सभापति विनोद साहू इंडिया भी मौजूद रहे।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन 6 अप्रैल को

छिन्दवाड़ा । जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम के अध्यक्ष एवं म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जिले में वृत्त/जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम द्वारा आगामी 6 अप्रैल को प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक प्रशासनिक भवन खजरी रोड छिन्दवाड़ा में जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें उपभोक्ताओं की शिकायतों कानिराकरण किया जायेगा। जिले के विद्युत उपभोक्ता अपनी शिकायत का निराकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि फोरम के अंतर्गत विद्युत अधिनियम की धारा 126, 135, 138 व 161 के अंतर्गत पंजीबध्द प्रकरणों पर सुनवाई नहीं की जायेगी।

स्टेंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन आज

छिन्दवाड़ा । म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के नगरीय निकाय और पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के सतत पुनरीक्षण 2023 के कार्य के संबंध में 5 अप्रैल को शाम 4 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया है । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्रीमती शीतला पटले ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों से इस बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है ।

मेडिकल छात्रों में हो रही रैगिंग पर विश्व हिन्दु परिषद ने जताया विरोध

छिंदवाड़ा - विहिप गौरक्षा प्रमुख ऋषभ तिवारी बताया कि विगत दिवस मेडिकल कालेज के जूनियर छात्रों के साथ सीनियर छात्रों के द्वारा रैगिंग की इसके पश्चात उनके मधवुन कालोनी स्थित मकान में जाकर मारपीट की इतना ही नहीं कालोनीवासी जब इस विवाद को शांत करने पहुॅचे तो उनके साथ भी अभद्र व्यवहार एवं मारपीट की गई । विहिप मेडिकल कालेज के सीनियर छात्रों द्वारा किये गये इस कृत्य की घोर निन्दा करता है, और मेडिकल के समस्त सीनिर छात्रों को चेतावनी देती है कि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होने पर स्वयं विहिप आगे आकर जूनियर छात्रों का समर्थन कर उन्हे संरक्षण देगी और विवाद करने वालों छात्रों के विरूद्ध उचित कार्यवाही करवायेगी एवं जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी । छात्र अपनी पढ़ाई के लिये आते हैं न कि रैगिंग के लिये, क्योंकि एक अपराध है, इसलिये सभी छात्रों से अपील है कि इस प्रकार की रैगिंग होने की स्थिति में विहिप गौरक्षा प्रमुख ऋषभ तिवारी से उनके मोबाईल नंबर 6263676164 पर संपर्क करें ।

बरारिया में 16 विद्यार्थियों को मिली निशुल्क साइकिल

परासिया । हाईस्कूल बरारिया के 16 विद्यार्थियों को प्रदेश शासन योजना के तहत निशुल्क साइकिले का वितरण जिला पंचायत सदस्य अरुण यदुवंशी ,जनपद सदस्य शांति उइके, सरपंच मोहन कहार, हाई स्कूल के प्राचार्य रघुवीर राय के हाथों वितरित की गई। स्कूल से 3 किलोमीटर दूरी से आने वाले कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों को साइकिल वितरण किया गया है । जिसमें ग्राम गोली परासिया और मैनावाडी के विद्यार्थी शामिल है। साइकिल पाकर विद्यार्थियों के चेहरे में खुशी देखी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अरुण यदुवंशी ने कहा कि प्रदेश शासन द्वारा निशुल्क साइकिल वितरण की योजना से छात्रों को स्कूल पहुंचने में अब सुविधा मिल रही है। विद्यार्थियों का भी दायित्व होना चाहिए कि वह नियमित रूप से स्कूल पहुंचे और अध्ययन करें।

गायत्री की स्थापना अपने अंतस में होना चाहिए:डॉ चिन्मय पंड्या

ब्रह्म मुहूर्त में हुई मां गायत्री की पुनर्प्राण प्रतिष्ठा, केंद्रीय मंत्री डॉ एल मुरूगन पहुंचे गायत्री शक्तिपीठ

छिंदवाड़ा । गायत्री की स्थापना अपने अंतस में होना चाहिए और यही सद्बुद्धि दिलाएगी ,यही देवता बनाएगी। उपरोक्त आशय के विचार शांतिकुंज से पधारे डॉ चिन्मय पंड्या ने आज मधुबन कॉलोनी छिंदवाड़ा गायत्री शक्तिपीठ गायत्री माता की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान उपस्थित परिजनों के मध्य व्यक्त किए ,इस दौरान केंद्रीय मंत्री के अलावा भाजपा एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की भी उपस्थिति रही। उन्होने कहा कि यही (गायत्री) सद्बुद्धि दिलाती है और यही देवता बनाती है। जिले के मधुबन कॉलोनी में चल रहे चल रहे पांच दिवसीय विराट 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ के दरम्यान आज ब्रम्ह मुहूर्त में एक और ऐतिहासिक बहुट्ठ प्रीक्षित मां गायत्री की पुन: प्राण प्रतिष्ठा का उल्लेखनीय पावन कार्य शान्ति कुंज हरिद्वार से पधारे अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम बिहारी जी के सानिद्ध में डॉ चिन्मय पंड्या जी के करकमलों से शक्तिपीठ गायत्री मे संपन्न हुआ। गायत्री शक्तिपीठ के प्रवक्ता अरुण पराड़कर ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान केंद्रीय मंत्री डॉक्टर एल मुरुगन , जिला भाजपा अध्यक्ष बंटी साहू, शेषराव यादव , जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्व नाथ ओकटे, जय राम पवार, आदि मौजूद थे। उन्होने बताया कि गायत्री महायज्ञ के चौथे दिन भी गायत्री शक्तिपीठ में परिजनों ने अपेक्षा से अधिक उत्साह पूर्वक स्व स्फूर्त आगे आकर पुंसवन, एवम दीक्षा संस्कार में भाग लेकर जागरूकता का परिचय दिया। 5 अप्रैल को होगा समापन प्रात: 6 बजे ध्यान साधना,8 बजे से 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ विविध संस्कार,महापूर्णहुति, अखंड ज्योति एवं मातृशक्ति जन्मस्ताब्दी संकल्प टोली बिदाई महाप्रसाद वितरण किया जायेगा।

आज आयेंगे कमलनाथ-नकुलनाथ, 9 अप्रैल तक रहेंगे

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं छिन्दवाड़ा सांसद नकुलनाथ का आज छिन्दवाड़ा आगमन होगा। अपने पांच दिनी प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन उपरांत नेताद्वय भगवान संकट मोचक हनुमान जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के साथ ही अन्य आयोजनों में भी सम्मिलित होंगे। कमलनाथ एवं नकुलनाथ 5 अप्रैल से 9 अप्रैल तक छिन्दवाड़ा प्रवास पर रहेंगे। सांसद कार्यालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार 5 अप्रैल को दोपहर 1.30 बजे पूर्व सीएम कमलनाथ का हेलीकॉप्टर द्वारा एसएएफ ग्राउंड छिन्दवाड़ा में आगमन होगा। आगमन उपरांत वे दोपहर 1.40 बजे गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ स्थल पहुंचकर पूजन अर्चन कर यज्ञ में आहुति देंगे। तदोपरांत दोपहर 2.15 बजे पूर्व सीएम कमलनाथ का शिकारपुर आगमन होगा। जिले के सांसद नकुलनाथ का नागपुर से हेलीकॉप्टर व्दारा अपराहंत 4.55 बजे छिन्दवाड़ा आगमन होगा। कमलनाथ एवं नकुलनाथ कार द्वारा सांय 6.20 बजे ईद मिलादुन्नवी ग्राउंड पहुंचकर रोजा अफ्तार में शरीक होंगे, तत्पश्चात सांय 6.55 बजे शिकारपुर आगमन होगा। आगमन उपरांत रात्रि 8.45 बजे नेताव्दय लालबाग चौक में आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। रात्रि 9.15 बजे नेताद्वय का शिकारपुर आगमन होगा। आगमन उपरांत कमलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

हरनाखेड़ी हादसे व गंदगी का कारण बन रही बस स्टेण्ड रोड पुलिया

छिंदवाड़ा । हरनाखेडी मेन रोड बस स्टैंड से बस्ती के (वार्ड नं 1)अंदर जाने वाली कंकृत रोड के नीचे डली पुलिया विगत कई वर्षों से टूटी हुई है तथा ऊपर रोड भी उखड़ा हुआ जिसमें गिट्टी डालकर पूराई कर दी गई जिस वजह से क्रैक्स (टूटी) पुलिया आने जाने वाहन वाले को दिखती नहीं है जिससे फिसलकर अक्सर लोग गिर जा करते हैं साथ ही पुलिया से पानी नहीं निकलने से बस्ती रोड की नालियों में हमेशा गंदा पानी भरा रहता है,जो मच्छर के पनपने व बीमारियो को आमंत्रण दे रहा है जबकि यह बस स्टैंड से लगी बस्ती के अंदर जाने वाला मुख्य रास्ता है फिर भी आज तक ना ही किसी प्रशासनिक लोगो ने और ना ही किसी वार्ड पार्षदों ने इस पर ध्यान दिया ,जिस वजह से समस्या विगत कई दिनों से जस की तस बनी हुई है ओर ग्राम के लोग परेशान होते रहते हैं, बरसात के दिनों में तो आवागमन ही बंद हो जाता है।

नरेन्द्र मोदी द्वारा मत्स्य मंत्रालय के बजट में की है बढ़ोत्तरी: मुरूगन

छिन्दवाड़ा । केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण, मत्स्य पालन, पशु पालन और डेयरी राज्य मंत्री डॉ.एल.मुरूगन ने आज जिले के विकासखंड परासिया के ग्राम भैसादण्ड में 2.50 करोड़ रूपये लागत से स्थापित मध्यप्रदेश के प्रथम मत्स्य आहार संयंत्र का अवलोकन किया । उन्होंने संयंत्र के माध्यम से तैयार किये जा रहे मत्स्य आहार की प्रक्रिया की जानकारी के साथ ही मत्स्य आहार की गुणवत्ता, उत्पादन क्षमता, विक्रय दर, मत्स्य आहार की पैकिंग, निर्यात आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मत्स्य आहार संयंत्र के माध्यम से तैयार किये जा रहे मत्स्य आहार और अन्य प्रक्रियाओं पर संतोष व्यक्त करते हुये सराहना की । इस दौरान जिला आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य व शेषराव यादव भी साथ में थे ।

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण, मत्स्य पालन, पशु पालन और डेयरी राज्य मंत्री डॉ.मुरूगन ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मत्स्य मंत्रालय के माध्यम से वर्ष 2014 से अभी तक 9 वर्षों में बजट में बढ़ोतरी कर देश के मत्स्य विकास के लिये 40 हजार करोड़ रूपये का निवेश किया गया है । प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में पहली बार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 20 हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है और इस बजट में मिनी सब प्लान के अंतर्गत 6 हजार करोड़ रूपये का प्लान किया है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में 38 हजार करोड़ रूपये का निवेश किया गया है । मत्स्य विकास के क्षेत्र में हमारी प्राथमिकता अधोसंरचना विकास के लिये है जिसमें आहार संयंत्र, स्टोरेज, आईस फेक्ट्री, प्रोसेस यूनिट आदि का निर्माण प्रमुख है । प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मछुआरों को जहां ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, वही 60 प्रतिशत अनुदान देकर विभिन्न गतिविधियों को प्रारंभ किया गया है । इस योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में मछुआरे लाभान्वित हो रहे हैं । मत्स्य पालन करने वाले और खेती करने वाले किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है । देश के मध्यप्रदेश, आंध्रा, बिहार, तमिलनाडु आदि में जहां मत्स्य प्रोडक्ट का निर्यात कर रहे हैं, वहीं अमेरिका और अन्य देशों में भी यहां का मत्स्य प्रोडक्ट भेजा जा रहा है । उन्होंने कहा कि मछुआरों के लिये फिशिंग हार्बर विकास योजना, फिशिंग लैंडिंग सेंटर विकास, श्रम कल्चर विकास आदि के लिये कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में बहुत से अमृत सरोवर बनाये गये हैं तथा मत्स्य पालन के लिये इन अमृत सरोवरों को श्रम कल्चर के लिये चिन्हित किया जा रहा है जिससे मछुआरों को रोजगार उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा जिले में आज इस आहार संयंत्र का अवलोकन किया गया तथा इस आहार संयंत्र के युवा हितग्राही को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 60 प्रतिशत अनुदान पर ऋण उपलब्ध कराया गया है । इस आहार संयंत्र से देश के कई राज्यों में मत्स्य आहार भेजा रहा है । सहायक संचालक मत्स्योद्योग राजेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत हितग्राही श्रीमती शानिया अली खान को वर्ष 2020-21 में 2.50 करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध कराने के साथ ही 1.20 करोड़ रूपये की अनुदान राशि प्रदाय कर मत्स्य आहार संयंत्र की स्थापना कराई गई है जो मध्यप्रदेश का पहला मत्स्य आहार संयंत्र है और जे.के.इंडस्ट्रीज के नाम से संचालित है ।

छिंदवाड़ा।केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. मुरूगन का कलेक्टर ने किया स्वागत

पीड़िता को न्याय दिलाने जागते रहो महिला महाशक्ति संगठन पहुंचा कलेक्ट्रेट, एसपी आफिस

छिंदवाड़ा । जिले के सक्रिय समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया एवम् जागते रहो महिला महा शक्ति संगठन की समस्त मात्र शक्तियों सहित पीड़िता रूपा निशांत साल्वे को लेकर के कलेक्ट्रेट एवं एस.पी.ऑफिस पहुंचे। जिला कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान माननीया जिला कलेक्टर जी को जिला अस्पताल की लापरवाही से 108 ऑपरेटर निशांत साल्वे की मृत्यु एवं अस्पताल द्वारा किया जा रहा दुर्व्यवहार की संपूर्ण जानकारी देते हुए लिखित शिकायत दर्ज की गई । जिला कलेक्टर ने रूपा निशांत साल्वे से पूरा घटना क्रम वृतांत सुना। समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया ने माननीया कलेक्टर महोदया को बताया की जिला अस्पताल छिंदवाड़ा से आए समय शिकायतें आती रहती हैं,, डॉक्टर, नर्सें एवं स्टाफ द्वारा मरीज एवं उनके परिजनों से दूरव्यवहार करते हैं। जानवरों से बत्तर सुलूक किया जाता है। चहू और गंदगी का आलम है,, गोली दवाई समय पर उपलब्ध नहीं हो पाती है। जांच मशीनें बिगड़ी और बदतर हालत में पड़ी है। ऑन ड्यूटी पर डॉक्टर नर्स उपलब्ध नहीं होती हैं। लगभग सभी डॉक्टरों ने अपने प्राइवेट क्लीनिक खोल रखे हैं और वे चाहते हैं कि मरीज उनकी प्राइवेट क्लीनिक में आ करके उनको मोटी रकम की कमाई दे,, समस्त शिकायतों को सुन माननीया कलेक्टर महोदया ने तत्काल सख्त कार्यवाही करने हेतु आला अधिकारियों को निर्देशित किया। और आश्वासित किया कि आगे भविष्य में ऐसी घटना ना घटे। इसके उपरांत सभी पीड़िता रूपा निशांत साल्वे को लेकर एस.पी. ऑफिस छिंदवाड़ा पहुंचे जहां उप पुलिस अधीक्षक महोदय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दोषियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई हेतु गुहार की गई। ज्ञापन देने सक्रिय समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया संग भूपेंद्र बिट्टू सलूजा,राजेश कनोजिया, गुमान सिंह बेलवंशी, शैलेंद्र गुड्डा राय, अनिल चौरसिया, अनिल गजभिए एवं जागते रहो महिला महा शक्ति संगठन से नीरजा बाजपेई जिला अध्यक्ष, दीप्ति नाग महासचिव,संतोषी गजभिए नगर छिंदवाड़ा अध्यक्ष, सहित सभी पदाधिकारी गण पहुंची।

दशहरा मैदान से निकलेगी विशाल गदा यात्रा

सिमरिया धाम में पूजन-अर्चन करेंगे कमलनाथ एवं नकुलनाथ

छिंदवाड़ा। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर्व 6 अप्रैल को पूजन अर्चन कर हर्षोल्लास से मनाया जावेगा। दिव्य सिमरिया धाम में विविध आयोजन होंगे। प्रातःकाल से ही पूजन अर्चन का सिलसिला जारी रहेगा। प्रातः 8 बजे श्री सुंदरकांड गरुप व्दारा सुंदरकाण्ड की संगीतमय प्रस्तुति दी जावेगी। पूजा अर्चना का यह क्रम देर रात्रि तक जारी रहेगा। प्रातः 10 बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद श्री नकुलनाथ सिमरिया धाम में पूजा अर्चना कर सर्वकल्याण की कामना करेंगे। प्रातः 10.30 बजे से सांय 5 बजे तक तक आमंत्रित भजन मंडलों के व्दारा संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी जावेगी। जबकि प्रातः 9 बजे श्री राम मंदिर छोटी बाजार में संगीत रामायण मण्डल व्दारा श्री सुन्दर काण्ड का पाठ किया जावेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ एवं सांसद श्री नकुलनाथ प्रातः 11 बजे छोटी बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना, श्री गदा पूजा एवं नगर शक्तिपीठ बड़ी माता मंदिर में पूजन अर्चन करने के उपरांत प्रातः 11.30 बजे नेताव्दय स्थानीय दशहरा मैदान

समाज के हित में काम करेगी भीम सेना

छिंदवाड़ा । भीम सेना की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन अंकित सातनकर निवास स्थान महुआ टोला कुकड़ा जगत छिंदवाड़ा में किया गया। जिसमें समाज के हित में काम करने एवं संगठन को मजबूत बनाने पर परिचर्चा,बाबा साहेब की जयंती भव्यरूप से बंनाने रूपरेखा बनाई गई साथ भीम सेना का विस्तार करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी से सहमति प्राप्त कर संभाग प्रभारी सुमित भावरकर ने छिंदवाड़ा नगर उपाध्यक्ष रूबिन उइके,नगर उपाध्यक्ष अंकित सातनकर, नगर महासचिव पंकज कोलारे, नगर सचिव विक्रांत बट्टी, नगर सह सचिव करण सल्लाम, नगर मीडिया प्रभारी अभिषेक मस्तकार,क्षेत्रीय ग्रामीण सहसचिव कन्हैया यादव, ग्राम खापामीठे अध्यक्ष अभिषेक नुन्हारिया नियुक्तियां की गई।

भजन सम्राट रविराज नासेरी हनुमान जन्मोत्सव में प्रस्तुति देंगे

छिंदवाड़ा । श्री हनुमानजी महाराज के जन्मोत्सव के पावन पर्व पर मारुतिनंदन सेवा समिति द्वारा दिनांक 06 अप्रैल दिन गुरुवार को भव्य एवं दिव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है।मारुति नंदन सेवा समिति के संयोजक आनंद बक्षी ने बताया कि सिमरिया स्थित हनुमान मंदिर में गुरूवार को संध्या 6.30 बजे से आयोजित इस भव्य भजन संध्या मे कमलनाथ एवं नकुलनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में देश के सुविख्यात गायक भजन सम्राट रविराज नासेरी अपने भजनों की सुमधुर प्रस्तुत देंगे । यह उल्लेखनीय है कि, श्री रविराज नासेरी की जन्मभूमि छिंदवाडा हैं एवं उनका संपूर्ण परिवार सांवरी के समीप गारगोटीटोला में कृषि कार्य करता है । आनंद बक्षी ने बताया कि श्री रविराज नासेरी देश के समस्त प्रमुख भजन कार्यकमों में मुंबई, दिल्ली, कलकत्ता, चैन्नई, बैंगलुरू तथा लंदन, अमेरिका, मोरिशस, स्पेन जैसे देशों में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुके हैं।रविराज नासेरी श्री सत्य सांई आर्गेनाइजेशन, श्री शिर्डी सांई बाबा संस्थान तथा अनेक प्रमुख धर्मस्थलों पर भजनों का कार्यक्रम कर चुके हैं।

भजन गायक प्रेम प्रकाश दुबे देंगे प्रस्तुति

हनुमान जयंती की पूर्व संध्या पर होगा सुंदरकांड का पाठ

छिंदवाड़ा। मशहूर भजन %सिया राम जय राम जय जय राम' के गायक, प्रख्यात कथावाचक व भजन गायक प्रेमप्रकाश दुबे बुधवार को छिंदवाड़ा में प्रस्तुति देने जा रहे हैं। श्रद्धालुओं ने अब तक उनकी आवाज में भजप और स्तुतियां ऑडियो-वीडियो में ही सुनी व देखी होगी। 5 अप्रैल को इन भजनों की लाइव प्रस्तुति छिंदवाड़ा के श्रद्धालु देख व सुन सकेंगे। मशहूर गायक व कथावाचक पंडित प्रेमप्रकाश दुबे हनुमान जयंती की पूर्व संध्या पर लालबाग चौक में प्रस्तुति देने आ रहे हैं। श्री सुंदरकांड पाठ की मोहक प्रस्तुति के साथ वे अपने मशहूर भजन पेश करेंगे। श्री बालाजी हनुमान सेवा समिति द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7 बजे से होगी। समिति सदस्य एवं पार्षद आकाश मोखलगाय, सचिन वानखेड़े, अजय मालवीय, राजा यादव, आशीष सोनी ने बताया कि हनुमान जयंती की पूर्व संध्या पर पिछले वर्षों की तरह इस बार भी भव्य कार्यक्रम की तैयारी है। कार्यक्रम में महिलाओं के बैठने की विशेष व्यवस्था की जा रही है।

कांग्रेस की सरकार बनते ही पुन: प्रारम्भ होंगी कल्याणकारी योजनायें

भाजपा के द्वारा रोके गये विकास कार्य फिर शुरू होंगे

छिन्दवाड़ा । कांग्रेस के प्रत्येक पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं व आमजन के सहयोग से पुनः मप्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी और समस्त जनकल्याण की योजनायें प्रारंभ की जावेगी। छिन्दवाड़ा जिले का भाजपा के द्वारा रोका गया विकास फिर से रफ्तार पकड़ेगा। जिले के सभी रूके हुये विकास कार्यों को गति प्राप्त होगी। सर्वांगीण विकास के लिये प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने हेतु आप सभी को बूथ स्तर पर कार्य करना होगा तभी हम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ एवं सांसद नकुलनाथ के हाथों को मजबूत कर पायेंगे। उक्त उद्गार आज क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी के आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने व्यक्त किये।

क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी कुर्सीढ़ाना, देलाखारी व सांगाखेड़ा का संयुक्त सम्मेलन आज भूराभगत में आयोजित किया गया। आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां आमजन विरोधी है, योजनाओं का लाभ देश के उद्योगपतियों को मिल रहा है ना की आमजन को। प्रदेश में माननीय कमलनाथ जी की पंद्रह माह की सरकार में लाई गई योजनाओं का लाभ आमजनता को मिला, क्योंकि उन्होंने पिछड़े व गरीब वर्ग को ध्यान में रखते हुये योजनायें बनाई और उनका क्रियान्वयन भी किया। सरकार बदलते ही भाजपा ने उन योजनाओं को बंद किया जिससे किसान व आमजन के कल्याण में कारगर साबित हो रही थी। भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छिन्दवाड़ा का विकास रोक दिया। आयोजित बैठक में कांग्रेस की क्षेत्रीय कमेटियों के पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

ब्लॉक प्रभारी बने विजय ढोके

अमरवाड़ा । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं छिंदवाड़ा सांसद नकुल नाथ के निर्देशानुसार गुरु चरण खरे अनुसूचित जाति विभाग प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे एवं जिला युवा अनुसूचित जाति विभाग जिलाध्यक्ष सिद्धांत सिद्धू थनेसर की अनुशंसा पर अमरवाड़ा नगर के पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व नगर एनएसयूआई अध्यक्ष विजय ढोके को आगामी चुनाव को देखते हुए अनुसूचित जाति के लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने हेतु कांग्रेस युवा अनुसूचित जाति विभाग में अमरवाड़ा ब्लॉक प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर उनके सभी इष्ट मित्रों एवं कांगस जनों ने बधाइयां प्रेषित की है।

प्रदेश में भाजपा कांग्रेस गठबंधन की सरकार :नारायण पटेल

भाजपा ,कांग्रेस ,गांडवाना सहित सैकड़ों लोगों ने थामा समाजवादी पार्टी का दामन

छिन्दवाड़ा। समाजवादी पार्टी जिला ईकाई छिन्दवाड़ा के तत्वाधान में स्थानीय बस स्टैण्ड के समीप समाजवादी पार्टी की विशाल आमसभा में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल विशेष अतिथि एवं विश्वनाथ सिंह मरकाम ,प्रदेश उपाध्यक्ष आर.एस.यादव की गरिमामय उपस्थिति में आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें सभा को संबोधित करते हुये सपा प्रमुख प्रदेश अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की सरकार चल रही है जिससे मंहगाई ,भ्रष्टाचार ,बेरोजगारी चरम सीमा पर है। प्रदेश के नौजवान और किसान परेशान है। इस लिये हमारी जबावदारी बन जाती है कि एक मात्र विकल्प के रूप में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाये। उ.प्र. सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य विश्वनाथ सिंह मरकाम ,प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहाँ कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कुशल नेतृत्व में समाजवादी पार्टी मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। मध्यप्रदेश में पूरी ताकत के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूरी ताकत से लड़ेगी । सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष आर.एस.यादव ने कहाँ कि मध्यप्रदेश की सरकार कर्मचारियों के वेतन के लिये लगातार कर्ज लेकर जनता पर कर्ज का बोझ बड़ा रही है और मंहगाई आसमान छू रही है । पूरे प्रदेश की जनता आशावादी न नजरों से समाजवादी पार्टी की तरफ देख रही है। शिक्षा का व्यवसायीकरण, स्वास्थ्य सुविधा ढप्प पड़ी है। महिलाओं पर अत्याचार हो रहे है और प्रदेश के मुखिया घोषणा वीर बनकर सत्ता के मद में चूर हैं। समाजवादी पार्टी के महासचिव लोधी विपिन वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुये कहाँ कि प्रदेश की सरकार बाबा साहब के संविधान को अपने ढंग से उपयोग और दुरूपयोग कर रही है प्रदेश में अवैध रूप से खनिज उत्खनन, भू माफियाओं बोलबाला है। किसानों पर झूठी कार्यवाही की जा रही है। डूब क्षेत्र के किसानों को उनकी भूमि मुआवजा वर्तमान कीमत के आधार पर नहीं दिया गया और सरकार किसानों को गुमराह कर रही है । किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा है। छिन्दवाड़ा जिले में कई क्षेत्रों जैसे - अमरवाड़ा, हर्रई, चौरई के कुछ क्षेत्रों में आज भी सिंचाई के लिये किसानों को नहर का पानी नहीं मिल पाया।

आदर्श तमिल सोसाइटी द्वारा आज भेल क्षेत्र में शोभा यात्रा निकाली गई।

वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा लाइफलाइन लर्निंग प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

भोपाल। वरिष्ठ पत्रकार एवं ओपन आई रिसर्च फोरम के रमेश शर्मा को गत दिवस इग्नू के 36 वें दीक्षांत समारोह में उनके द्वारा इग्नू से 6 विभिन्न विषयों पर कोर्स करने के आधार पर सम्मानित किया गया। श्री शर्मा ने पर्यावरण, मानव अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण, पर्यटन तथा जलवायु परिवर्तन विषयों पर अध्ययन किया है। पत्रकारिता के तीन दशकों के दौरान शिक्षा से बेहद व लगाव रखने के कारण उन्होंने अन्य विषयों पर भी परीक्षाएं पास की हैं जिनमें मास कम्युनिकेशन, बिजनेस मैनेजमेंट, लीगल कोर्स इन पिटीशन इत्यादि है। श्री शर्मा को इग्नू ने अल्यूमिनस के रूप में भी शामिल किया है।

महापौर मालती राय ने आज स्मार्ट सिटी, गोविंदपुरा स्थित कंट्रोल रूम में महिला महापौर हेल्पलाइन का निरीक्षण किया तथा शिकायतों की जानकारी प्राप्त कर लाभार्थियों से फीडबैक लिया साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे में समस्या हल करने हेतु आदेशित किया।

डॉ जितेन शुक्ला को हटाकर डॉ. एके श्रीवास्तव को डीएमई बनाया

भोपाल। संचालक चिकित्सा शिक्षा (डीएमई) डॉ जितेन शुक्ला को राज्य सरकार ने पद से हटा दिया। उनके स्थान पर गांधी मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रो डॉ एके श्रीवास्तव को नया डीएमई बनाया गया। इसके आदेश चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर सचिव बबीता वसुनिया ने जारी किए।

मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने के लिए मेडिकल की हिंदी भाषा की किताबों के वितरण और प्रिंटिंग में देरी होने के मामले में डॉ जितेन शुक्ला को हटाया गया है। कहा गया कि डीएमई डॉ शुक्ला ने हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई के प्रोजेक्ट में कोताही बरती है। हिंदी में मेडिकल पुस्तकों को विद्यार्थियों को वितरण में किया जाना था, जिसमें अनावश्यक विलंब हुआ। द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की हिंदी में पुस्तकों को तैयार करने में उन्होंने रुचि नहीं दिखाई। इससे पहले चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने के प्रोजेक्ट की समीक्षा की। मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने के प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान मेडिकल कोर्सेस की किताबों की हिंदी में प्रिंटिंग और वितरण के मामले में डीएमई डॉ जितेन शुक्ला के स्तर पर देरी करने का खुलासा हुआ। इससे खफा मंत्री सारंग ने डीएमई डॉ शुक्ला को हटा दिया।

बोरवेल, कुँओं और बावड़ियों का 30 दिन में सर्वे करें

भोपाल। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने मंगलवार को जिलों के कलेक्टर्स को नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में बिना केसिंग के खुले बोरवेल तथा ऐसे कुँए-बावड़ियों, जिन्हें गर्डर-फर्शी, सीमेंट-कॉन्क्रीट से बंद किया गया हो, का 30 दिन में सर्वे करने के निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में बावड़ी दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के लिये कार्यवाही के निर्देश दिये थे।

एसीएस डॉ. राजौरा ने आपदा प्रबंधन की आकस्मिक परिस्थितियों के निर्मित होने एवं उससे होने वाली जनहानि से बचाव के लिये खुले बोरवेल अथवा कुँए, बावड़ियों को सूचीबद्ध करने और ऐसी संरचनाओं को पूरी तरह पाटने की कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये हैं।

निर्धारित 30 दिन की समयावधि में सर्वे कार्य पूरा नहीं होने पर संबंधित नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत को संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) को लिखित में सूचना देगी। एसडीएम इस प्रकार के खुले बोरवेल और बावड़ियों से अवैध निर्माण को विधिवत हटा कर पाटने की कार्यवाही नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों से सुनिश्चित कराएँगे। इस कार्य में होने वाले व्यय की संपूर्ण राशि भू-स्वामी से वसूल की जाएगी। पालन नहीं किये जाने पर नियामानुसार आपराधिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही होगी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में कदंब, सारिका इंडिका और करंज के पौधे के पौधे लगाए।

मंत्री के बेटे को पुलिस ने कॉलर पकड़कर नीचे उतारा

एसपी बोले- पहचानता नहीं था, विजय शाह की चेतावनी- ज्यादा दिन रह नहीं पाएंगे

खंडवा, संवाददाता। खंडवा में वन मंत्री विजय शाह के बेटे व जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह ने एसपी सत्येंद्र शुक्ला पर अभद्रता का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को लाडली बहना योजना सम्मेलन में मुख्यमंत्री के पहुंचने से 15 मिनट पहले जब मैं मंच पर चढ़ रहा था, तभी एसपी ने मेरी कॉलर पकड़ी और मंच से धक्का देकर उतार दिया। पंधाना जनपद अध्यक्ष सुमित्रा काले ने भी एसपी पर अभद्रता का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री के खंडवा से रवाना होने के घंटे भर बाद ही वन मंत्री विजय शाह भाजपा कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बेटे के साथ हुई इस घटना की निंदा की। इस दौरान भाजयुमो के जिलाध्यक्ष अनूप पटेल ने एसपी ऑफिस का घेराव करने की चेतावनी देते हुए एसपी को तत्काल सस्पेंड करने की मांग की। पूरे घटनाक्रम पर का कहना है कि उन्होंने किसी से अभद्रता नहीं की है। मैंने दो दिन पहले ही जॉइन किया है, इसलिए मंत्री के बेटे को पहचानता नहीं था। उधर, मंत्री ने स्कके लिए कहा कि वे खंडवा में रह नहीं पाएंगे।

विधायक बोले- मुझे भी मंच से नीचे नहीं जाने दिया- पंधाना विधायक राम दांगोरे ने भी स्कपर आरोप? लगाए। पंधाना से भाजपा विधायक दांगोरे ने कहा कि जब स्कने पंधाना जनपद अध्यक्ष को गेट पर धक्का दिया तो मैं उन्हें लाने के लिए वहां पहुंचा तो स्कने मुझे भी मंच से नीचे नहीं उतरने दिया। इस दौरान मुझे कलेक्टर अनूप कुमार सिंह को बुलाना पड़ा। भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने कहा कि दिव्यादित्य जिला पंचायत के उपाध्यक्ष हैं। सम्मानित सदस्य हैं, उनके साथ इस तरह की हरकत बर्दाश्त नहीं की? जाएगी। ऐसे एसपी को खंडवा में नहीं रुकने देंगे। सरकार से हमारी मांग है? कि इन्हें यहां से सिर्फ हटाया न जाए, इनका निलंबन होना चाहिए।

मंत्री शाह बोले- मुख्यमंत्री को बताऊंगा- वन मंत्री विजय शाह ने इस घटना को लेकर कहा कि हमारी आदिवासी बहन जनपद पंचायत पंधाना अध्यक्ष सुमित्रा काले, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह से एसपी ने अभद्रता ही नहीं की, बल्कि जो वीडियो सामने आ रहे हैं, उसमें वे उन्हें कॉलर पकड़कर नीचे उतारते दिख रहे हैं। उन्हें पीटने की कोशिश की। इस मामले को मुख्यमंत्री को बताने का प्रयास करूंगा। हमारे युवा नेताओं के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो मुझे नहीं लगता वे खंडवा में रह पाएंगे। मंत्री ने कहा- दिव्यादित्य ने पूरे प्रदेश में रिकॉर्ड वोट लेकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। वो मेरा बेटा ही नहीं, युवा नेता और जिला पंचायत का उपाध्यक्ष है।

वैसे मंत्री भले ही बेटे की तारीफ कर रहे हों, लेकिन बता दें कि मंत्री पुत्र अपने क्षेत्र में जिला पंचायत का चुनाव तो रिकॉर्ड वोट से जीते थे, लेकिन उपाध्यक्ष चुनाव में उनके पसीने छूट गए थे। भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत होने के बाद भी दिव्यादित्य और कांग्रेस प्रत्याशी जितेंद्र सिंह धारकवाड़ी को बराबर वोट मिले थे। इसके बाद चिट्ठी (टॉस) से फैसला हुआ, तो मंत्री पुत्र दिव्यादित्य की जीत हुई थी।

निगम कमिश्नर अब कलेक्टर, जिन पर एफआईआर उनके स्वस्थ होने का इंतजार, सांसद ने भी दे दी सफाई

इंदौर। रामनवमी के दिन 36 लोगों की अकाल मौत के बाद कल यानी सोमवार का दिन इंदौर के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। क्योंकि, कल ही सुबह उस मनहूस बावड़ी का मुंह बंद कर दिया गया, जो इन 36 लोगों की मौत का कारण बनी और इस वजह से 18 लोग घायल हुए हैं। कल शाम होते-होते नगर निगम कमिश्नर प्रतिभा पाल को प्रमोट करके रीवा का कलेक्टर बना दिया गया। लोगों को सरकार के इस आदेश पर भारी आक्रोश है।

लोग तो इस पूरे घटनाक्रम में हुई राजनीति पर भी भारी नाराज हैं। वे दोषी नेताओं को तो चुनाव में देखेंगे, पर सरकार ने ब्यूरोक्रेसी को जिस तरह संरक्षण दिया, उससे लोग आश्चर्य व्यक्त कर रहे है। माना कि निगम कमिश्नर का तबादला नियमित प्रक्रिया के तहत किया गया, पर उन्हें बड़ी या छोटी कुर्सी देना तो सरकार के हाथ में था।

वैसे देखा जाए तो अभी तक इस पूरे घटनाक्रम में दो अदने से निगम कर्मचारियों को सस्पेंड करके मात्र खानापूर्ति की गई है। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और सचिव के खिलाफ एफआईआर की गई और मजिस्ट्रेटी जांच की घोषणा की गई! 36 मौतों और 18 लोगों के घायल होने बदले सरकार और प्रशासन की ये कार्रवाई नगण्य ही कही जाएगी।

म्युनिसिपल एक्ट के तहत निगम कमिश्नर के अधिकार क्षेत्र में होने वाली किसी भी घटना-दुर्घटना का जिम्मेदार अंततः म्युनिसिपल कमिश्नर को ही माना जाता है। इस मामले में तो 3 साल से पहले से पदस्थ कमिश्नर प्रतिभा पाल पूरी तरह अवगत रही है। क्योंकि, निगम ने ही भले ही औपचारिकता के लिए नोटिस तो दिए ही थे, लेकिन उनके द्वारा ऐसा कोई एक्शन क्यों नहीं लिया गया, जिससे यह हादसा ही नहीं होता। शहर में 36 मौतों को लेकर प्रतिभा पाल पर भी उंगली उठी है! लेकिन, सरकार ने रूटीन ट्रांसफर की आड़ में उन्हें रीवा कलेक्टर बना दिया।

प्रतिभा पाल 2012 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वे करीब 3 साल से इंदौर में पदस्थ थीं। इंदौर हादसे के छह दिन बाद उनका तबादला हुआ। जबकि, देखा गया है, कि जब भी कोई इतनी बड़ी घटना होती है, जन आक्रोश को देखते हुए संबंधित जवाबदार अधिकारी के खिलाफ कुछ न कुछ तो एक्शन होता है। लेकिन, इस मामले में हुआ ठीक उल्टा, जवाबदार अधिकारी को प्रमोट कर कलेक्टर बना दिया गया।

सांसद से भी भारी नाराजी- लोगों को सांसद शंकर लालवानी से भी भारी नाराजगी है, जिन्होंने सफाई देते हुए अपने ऊपर उठी उंगलियों का तो कोई जवाब नहीं दिया। बल्कि, अपने ऊपर लगे सारे आरोपों को कांग्रेस की राजनीति की आड़ में छुपाने की कोशिश जरूर की। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीति करने के आरोप लगाए, पर जिस इलाके में ये घटना घटी, वहां के लोगों के आरोपों को नकार दिया। जबकि, 36 मृतकों और 18 घायलों के परिजनों ने खुलकर सांसद पर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष को संरक्षण देने के आरोप लगाए हैं। सांसद पर यह आरोप भी है, कि वे इंदौर में मृतकों के परिजनों को रोता-बिलखता छोड़ अगले दिन भोपाल में एक कार्यक्रम में स्वागत सत्कार में व्यस्त थे।

एफआईआर हुई, पर गिरफ़्तारी नहीं

बावड़ी हादसे के बाद बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सेवाराम गलानी और सचिव मुरली कुमार सबनानी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। ट्रस्ट के दोनों पदाधिकारियों के पर आरोप है, कि उन्होंने बावड़ी पर छत डालकर बेहद असुरक्षित निर्माण कराया, जिससे हुए हादसे के कारण 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इंदौर नगर निगम ने ट्रस्ट को मंदिर परिसर का अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया था, लेकिन ट्रस्ट ने यह आदेश नहीं माना। आश्चर्य इस बात का है कि दोनों आरोपियों के स्वस्थ होने का इंतजार किया जा रहा है, इसलिए उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया। यदि उन्हें संरक्षण नहीं मिल रहा, तो क्या कारण उन्हें अभी तक औपचारिक रूप से गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया! क्या पुलिस का रवैया सभी आरोपियों के प्रति ऐसा ही रहता है!

प्रभावित लोगों को चिढ़ाने वाली कार्रवाई

श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर हादसे में हुई मौतों से हर कोई गम और गुस्से में है। महिलाओं में इस अवैध निर्माण को लेकर भारी आक्रोश है। लोग चाहते थे कि 36 मौतों के गुनहगार इस निर्माण को खत्म किया जाए। सोमवार को वह किया भी गया, पर सिर्फ इतने से बात नहीं बनेगी! लेकिन, लगता है सरकार और भाजपा जनता की नाराजी का सही अनुमान नहीं लगा पा रही! सांसद शंकर लालवानी की अधूरी सफाई और खुद का दामन बचाने की कोशिश के बाद निगम कमिश्नर प्रतिभा पाल को प्रमोशन दिए जाने को इंदौरवासियों खासकर प्रभावित लोगों को चिढ़ाने जैसी कार्रवाई ही माना जा रहा है! विधानसभा चुनाव के कुछ माह पहले सरकार का ये कदम भाजपा के लिए कहीं नुकसानदेह साबित न हो जाए।

जिसे सजा मिलना थी, उसे प्रमोशन

नगर निगम कमिश्नर प्रतिभा पाल को अब रीवा जिले की नई कलेक्टर बनाया गया। सरकार के इस फैसले पर कल रात से ही सोशल मीडिया पर कमेंट आ रहे हैं, कि उन्हें सजा दी गई या प्रमोशन! लोगों और प्रभावित परिवारों का सीधा आरोप है कि इस हादसे के लिए नगर निगम की ही जिम्मेदार है। निगम कमिश्नर प्रतिभा पाल को कोई सजा क्यों नहीं मिली! सिर्फ छोटे स्तर के दो कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया। लोगों का गुस्सा नगर निगम पर है, जिनका कहना था कि निगम अवैध निर्माण पर तो बुलडोजर चलाती है। मंदिर के अवैध निर्माण को सिर्फ नोटिस देकर क्यों छोड़ दिया गया! समय पर कार्रवाई की जाती तो शायद ये घटना ही नहीं घटती!

आखिर मेरा कसूर क्या था कांग्रेस इस थीम पर चुनाव लड़ेगी

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि धर्म का ठेका क्या भाजपा ने ले रखा है। छिंदवाड़ा में सबसे बड़ा हनुमान मंदिर हमने बनाया। मुझे मध्य प्रदेश की जनता पर पूरा विश्वास है कि वह प्रदेश को सुरक्षित रखेगी। इस बार चुनाव में हमारी थीम है 'आखिर मेरा कसूर क्या था?'

कमलनाथ मंगलवार को इंदौर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उनके साथ सांसद शशि थरूर भी थे। कमलनाथ ने कहा कि चुनाव में मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं, बल्कि भाजपा संगठन से है। कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी को एकजुट होकर काम करना है। प्रदेश में व्यापारी परेशान हैं। हम आने वाली पीढ़ी को एक अच्छा मध्य प्रदेश देना चाहते हैं। ऐसा प्रदेश जहां भ्रष्टाचार और मिलावट आदि न हो। इंदौर शहर अध्यक्ष को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक व्यक्ति से संगठन नहीं चलता। यहां हर कार्यकर्ता कमलनाथ है।

उन्होंने कहा कि इस चुनाव में टिकट फार्मूला कुछ इस तरह से होगा कि सामाजिक आधार और स्थानीय मांग के अनुरूप टिकट का वितरण होगा। कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश में उनके द्वारा किस तरह मेट्रो का कार्य शुरू किया गया, किस तरह महाकाल लोक का काम शुरू किया, यह बात किसी से छिपी नहीं है!

उन्होंने कहा कि बच्चा कब पैदा होता है, यह सब जानते हैं। मध्यप्रदेश में कई शहरों में कांग्रेस अध्यक्षों की घोषणा नहीं होने पर कमलनाथ ने कहा कि यह मत समझिए कि कांग्रेस सिर्फ अध्यक्ष से चलती है। अध्यक्ष के अलावा भी नीचे एक बहुत बड़ा संगठन होता है, मंडल लेवल पर काम होता है।

मेरे बयान को गलत पेश किया- पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि विधायकों को लेकर मेरे बयान को शरारत पूर्ण ढंग से पेश किया गया। मैंने यह कहा था कि जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं का महत्व है। भाजपा के बहुत से विधायक मेरे संपर्क में हैं, लेकिन उन्हीं विधायकों का महत्व है, जिनकी जमीन पर पकड़ मजबूत है।

कर्ज चुकाने के लिए कर्ज

अभय प्रशाल में मीडिया से बातचीत में कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सिंह कलाकारी वाला भाषण देते हैं। खुद को कभी मामा बताते हैं, तो कभी किसान का बेटा। दिग्विजय सिंह की सक्रियता के सवाल पर कमलनाथ ने कहा, दिग्विजय सिंह पूरी तरह सक्रिय हैं। वे सभी परंपरागत सीटों पर जाकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं और पार्टी को मजबूती दे रहे हैं।

प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार बहुत गजब है। अब तो इसे कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए भी कर्जा लेना पड़ रहा है। मैं मामा नहीं, किसान का बेटा नहीं, चाय वाला नहीं, बल्कि एक साधारण व्यक्ति हूं। जब बाबूलाल गौर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब मैं केंद्र में परिवहन मंत्री और शहरी विकास मंत्री रहा। रिकॉर्ड देख लें कि उस दौरान मैंने मध्य प्रदेश की कितनी मदद की है।